RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831

निष्पक्ष, निडर, नीतियुक्त पत्रकारिता

हिन्दी मासिक

जोधपुर

माली सैनी सन्देश

वर्ष : 19 अंक : 206 29 सितम्बर, 2022 मूल्य : 30/-प्रति

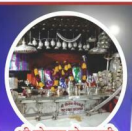

श्री सोनणा खेतलाजी

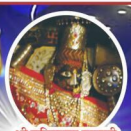

श्री सच्चियाय माताजी

श्री आशापुरा माताजी

श्री जाम्वाय माताजी

श्री सांगिया/भुवाल माताजी

श्री बाण माताजी

श्री खीमज/क्षेमंकरी माताजी

श्री सुधदा माताजी

श्री चिलाय माताजी

श्री चामुण्डा/गाजण/सुंधा माताजी

शुभ नवरात्रि

की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

राजनैतिक, सामाजिक, धार्मिक संस्थाओं के पदाधिकारी प्रबुद्वजनों ने किया याद

जोधपुर के विकास पुरुष मानसिंह देवड़ा की पुण्यतिथि पर 257 यूनिट रक्तदान

जोधपुर। राजस्थान आवासन मंडल के पूर्व अध्यक्ष और वरिष्ठ कारीसी नेता स्वर्गीय मानसिंह देवड़ा की 11वीं पुण्य तिथि के अवसर पर विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। स्वर्गीय मानसिंह देवड़ा स्मृति संस्थान की ओर से निवास स्थान पर आयोजित रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं ने उत्साह के साथ रक्तदान किया और 257 यूनिट रक्तदान हुआ।

परिवार के सदस्य बसन्त कंवर देवड़ा, शंकरलाल देवड़ा,किशनसिंह देवड़ा, भवरीदेवी देवड़ा, प्रदीप देवड़ा, चेतन प्रकाश देवड़ा, कुन्ती कुलदीप परिहार, मयंक देवड़ा की ओर से आयोजित रक्त दान शिविर में सभी वर्ग के लोगों ने बढ़ चढ़कर रक्तदान किया।

इस अवसर पर सांसद राजेन्द्र गहलोत, राजस्थान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन वैभव गहलोत, विधायिका सूर्याकांता एवं मनीषा पंवार, पूर्व सांसद बदी जाखड़, पशुधन विकास बोर्ड के अध्यक्ष राजेन्द्र सोलंकी, पूर्व महापौर राजेन्द्र कुमार गहलोत, जिला कलेक्टर, राजसीको के अध्यक्ष सुनील परिहार के साथ ही उद्योगपति किशन देवड़ा और जोधपुर एवं आसपास के गांवों से अनेको प्रबुद्वजनों ने मानसिंह देवड़ा को पुष्पांजलि अर्पित कर उनके द्वारा जोधपुर के विकास हेतु किए कार्यो का याद किया।

महापौर उत्तर कुन्ती परिहार ने बताया कि स्वर्गीय मानसिंह देवड़ा हमेशा जोधपुर के विकास को लेकर सकारात्मक दृष्टिकोण रखते थे और उन्होंने शहर के सर्वांगीण विकास का प्रयास किया। आपने जीवन काल में उन्होंने विकास के कई ऐसे कार्य किए जिन्हें आज भी जोधपुर की जनता याद करती है। पार्षद मयंक देवड़ा ने इस रक्त दान शिविर को सफल बनाने के लिए सभी रक्तदाताओ और शहर वासियों का आभार जताया। समाज सेवी कुलदीप परिहार एवं जफर खान मारवाड़ ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में बड़ा रामद्वारा महत राम प्रसाद जी महाराज, संत अचलानंद गिरी, देवरी धाम महत रमैया दास महाराज, माता का थान प्रेम दास महाराज ने भी पुष्पांजलि अर्पित की और इस विशाल आयोजन के लिए परिवार के सभी सदस्यों का आभार प्रकट किया।

समाज ही नहीं वरन सर्व समाज के हजारों लोगों ने मानसिंह देवड़ा की पुण्यतिथि पर जो सम्मान प्रदान किया उससे उनके व्यक्तित्व के मायने समझे जा सकते है।

RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831

Postal Regd No. Jodhpur/496/2021-23

माली सैनी सन्देश

● वर्ष : 19 ● अंक 206 ● 29 सितम्बर, 2022 ● ● मूल्य : 30/-प्रति ●

माली सैनी संदेश पत्रिका के सम्मानीय संरक्षक सदस्यगण

श्रीमान रमेशचंद्र कच्छवाहा
(अध्यक्ष, ठेकेदार ऐसोसियेशन, नगर निगम जोधपुर)

श्रीमान लक्ष्मण सिंह सांखला
(समाजसेवी / भामाशाह)

श्रीमान मोहनसिंह सोलंकी
(उद्योगपति / समाजसेवी)

श्रीमान नरपतसिंह सांखला
(बिल्डर्स / समाजसेवी)

श्रीमान नेमीचंद गहलोत
(उद्योगपति / भामाशाह)

श्रीमान पुखराज सांखला
(अध्यक्ष, माली संस्थान, जोधपुर)

डॉ. किशन माली
(शिक्षक/ समाजसेवी)

श्रीमान ब्रह्मसिंह चौहान
(जिला उपाध्यक्ष, भाजपा, जोधपुर)

श्रीमान प्रदीप कच्छवाहा
(उद्योगपति)

श्रीमान भगवानसिंह गहलोत
(उद्योगपति / भामाशाह)

श्रीमान युधिष्ठर सिंह परिहार
(व्यवसायी / समाजसेवी)

श्रीमान सुरेश सैनी
(समाजसेवी)

श्रीमान (डॉ.) सुरेन्द्र देवड़ा
(हृदय रोग विशेषज्ञ, एम्स)

श्रीमान अशोक पंवार
(कॉन्ट्रेक्टर/भामाशाह)

श्रीमान संपतसिंह कच्छवाहा
(शिक्षाविद् / समाजसेवी)

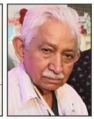

श्रीमान इंद्रसिंह सांखला
(समाजसेवी)

श्रीमान नरेश सांखला
(कॉन्ट्रेक्टर / समाजसेवी)

श्रीमान प्रवीण सिंह परिहार
(बिल्डर / उद्यागपति)

श्रीमान रामेश्वरलाल कच्छवाहा
(व्यवसायी / समाजसेवी)

श्रीमान (डॉ.) पवन परिहार
(शिशु रोग विशेषज्ञ, पावटा स्टेलाईट)

श्रीमान अरविंद कच्छवाहा
(व्यवसायी/समाजसेवी)

श्रीमान प्रीतम गहलोत
(व्यवसायी / समाजसेवी)

श्रीमान आर.पी. सिंह परिहार
(उद्योगपति/समाजसेवी)

श्रीमान बंशीलाल सैनी
(व्यवसायी/समाजसेवी)

सी.ए. श्रीमान महेश गहलोत
(उद्योगपति/समाजसेवी)

श्रीमान आदित्य सिंह गहलोत
(युवा राजनेता/समाजसेवी)

श्रीमान चंद्रसिंह देवड़ा
(समाजसेवी/उद्योगपति)

श्रीमान प्रकाश सिंह गहलोत
(कॉलोनाईजर/समाजसेवी)

श्रीमान दीपक सिंह गहलोत
(आईटी एक्सपर्ट/भामाशाह)

श्रीमान महेश गहलोत
(उद्योगपति/भामाशाह)

श्रीमान रामचंद्र सोलंकी
(पूर्व अध्यक्ष, रामदेवरा धर्मशाला)

ई. श्रीमान हरिसिंहजी पंवार
(MD, Teren Power PVt. Ltd.)

माली सैनी संदेश संरक्षक सदस्यता अभियान में आपका हार्दिक स्वागत है

माली सैनी संदेश पत्रिका के सम्मानीय संरक्षक सदस्यगण

जस्टिस श्रीमान देवेन्द्र कच्छवाह
(पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाईकोर्ट)

एडवोकेट श्रीमान पुरूषोत्तम सोलंकी
(समाजसेवी, बाड़मेर)

श्रीमान नरेन्द्रसिंह गहलोत
(पर्यावरणविद्, समाजसेवी, जोधपुर)

श्रीमान रघुभाई देवड़ा
(भामाशाह - समाजसेवी, सिरोही)

संपादक की कलम से...

दिपावली दीपों का ज्योतिर्मय पर्व....

अंधकार से उजाले की ओर ले जाता ज्योतिर्मय दीपावली का यह पावन पर्व सभी पाठकों, लेखकों सहयोगी-प्रतिनिधियों एवं विज्ञापनदाताओं के जीवन में खुशहाली एवं समृद्दि का प्रतीक बनें। इन्हीं सभी सहयोगियों की बदौलत संत शिरोमणी लिखमीदास जी महाराज के अन्तर्मन आशीर्वाद से उनकी ज्योति ''माली सैनी संदेश'' अपने जीवन यात्रा के 19 वें वर्ष में ज्योतिर्ममय पर्व दिपावली पर आप सभी के संग उत्साह एवं उमंग के साथ मनाते हुए अपने आपकों समाज के उत्तरोतर विकास में समर्पित करता है।

''माली सैनी संदेश'' ने इन 18 वर्षो में अनेकों उतार चढ़ाव देखे है। एक ओर जहां पाठकों, लेखकों एवं सहयोगी प्रतिनिधियों ने मिलकर ''माली सैनी संदेश'' रूपी दीपक का बनाया जिसमें संपादक मण्डल बाती बना तो दूसरी ओर विज्ञापनदाताओं ने उसमें घी की आहुति देकर ज्योति की लौ को प्रकाशवान बनाया जिससे समाज में एकता, भाईचारा का संदेश गया।

समय के साथ समाज को भी करवट बदलनी पड़ेगी क्योंकि जो समाज समय के झझावतों को झेलने का रास्ता नहीं अपनाता वह काल के गाल में समा जाता है। ''माली सैनी संदेश'' ने अपने 18 वर्ष की चेतना यात्रा में यह देखा कि कल जो समाजिक बालक शिक्षा से विमुख थे वे आज शिक्षा शिक्षा को अपनाने को कटिबद्ध हो रहे है। आज हमारे किशोर किशोरी उच्च शिक्षा की ओर अग्रसर होने लगे है। आज समाज के युवाओं ने शिक्षा के सभी क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। हमारे समाज के युवा बड़ी बड़ी कम्पनियों एवं राज्य तथा केन्द्र के राजपत्रित अधिकारी बन देश की सेवा कर रहे है। लेकिन आज के इस युग में प्राथमिक स्तर की भी शिक्षा काफी खर्चीली हो गई है जिससे हमारे गरीब परिवारों के सामने बालक बालिकाओं को पढ़ाने की भी समस्या आ रही है। हम आप सभी से एक बार फिर आव्हान करते है कि धनवान एवं सक्षम समाज के लोग अपना योगदान इस हेतु प्रदान करें तथा समाज में शिक्षा के स्तर को उच्चतर करने हेतु आर्थिक रूप से सभी की सहायता करने का प्रयास करें। हम ग्रामीण एवं शहरी ही नहीं राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षण सेवा संस्थान बनाकर पता लगाने का प्रयास करें कि कहां और कौन बालक बालिका धन के अभाव में शिक्षा से वंचित हो रहा है। ऐसे बालकों को आर्थिक सहयोग देकर पढ़ने का अवसर प्रदान करें।

यदि हम सभी मिलकर छोटा सा भी कदम बढ़ाने का प्रयास करे तो निःसंदेह हमारे शिक्षित बालक बालिकाएं आगे आने वाले कल के कलेक्टर, जज, उद्योगपति, व्यवासायी, विधायक या सांसद के आसन को प्राप्त हो सकेंगे और आपके सम्बल से शिक्षित माली सैनी समाज नूतन राष्ट्र का भावी ज्वाजल्यगांन दीपस्तम्भ बन जायेगा- आओं कुछ ओर कदम बढ़ावें। आज समाज को देवालयें के निर्माण की नहीं महात्मा ज्योति बा फूले एवं भारत की प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्री बाई फूले के नाम से विद्यालयों, छात्रावासों, चिकित्सालयों एवं संत शिरोमणी लिखमीदास जी महाराज के नाम से धर्मशालाओं का निर्माण करा समाज के विकास में भागीदार बनें। शिक्षा के क्षेत्र में किये गये प्रयास से ही समाज का विकास संभव है हमारे युवा वर्ग को आज अच्छी शिक्षा, चिकित्सा एवं रोजगार के लिए मार्गदर्शन की आवश्यकता है।

इसी दिशा में हम आप सभी के सहयोग से कुछ ओर कदम आगे बढ़ाना चाहते है। इसके लिए समाज के बुद्विजिवियों एवं समाज के अग्रजों के मार्गदर्शन की आवश्यकता है जिससे हम समाज के अशिक्षित वर्ग को शिक्षित कर सकें तथा समाज में शिक्षा के स्तर को बढ़ा सके। आप सभी हमें इस हेतु सुझाव दे जिससे हमें अपने उद्देश्यों को पूर्ण करने में सम्बलता मिले।

हम कैसे, क्या रचनात्मक कार्य कर सकें इस पर विचार मंथन कर सभी को साथ लेने का प्रयास करें।

मनीष गहलोत
संपादक

जाति समाज से करें प्यार, सुनो भाई जीवणा दिन चार, जो नहीं करता समाज से प्यार, तो समझो उसका जीवन है बेकार।
समाज सेवा है बड़ी हितकारी, मिलकर कदम बढ़ाओ, नर हो या नारी हमारे समाज का सुखी हो हर परिवार
विनती करता है माली सैनी संदेश परिवार बारम्बार।

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के स्वयं के विचार है। किसी भी विचार के साथ संपादकीय सहमति का होना आवश्यक नहीं है। सभी प्रंसगों का न्यायिक क्षेत्र जोधपुर ही होगा।

सुमेर स्कूल के 125वें स्थापना दिवस कार्यक्रम हेतु मुख्यमंत्री और सांसद राजेन्द्र गहलोत ने वरिष्ठ स्टूडेंट्स का किया बहुमान

हमारी सरकार ने शिक्षा और चिकित्सा क्षेत्र को मजबूत किया है– अशोक गहलोत

राजस्थान में रेवड़ियां नहीं बांटती, सोशल सिक्योरिटी पर काम होता है : सीएम गहलोत

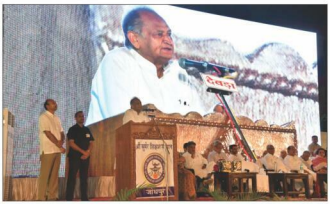

जोधपुर।सुप्रीम कोर्ट ने रेवड़ियां बांटने पर टिप्पणी की है।लेकिन राजस्थान में रेवड़ियां नहीं बंटती, बल्कि यहां सोशल सिक्योरिटी पर काम होता है। एक करोड़ लोगों को पेंशन देना इसी बात की निशानी है। यह बात मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सुमेर स्कूल के 125वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कही।

बचपन की यादें ताजा होती है : मुझे गर्व है कि इस स्कूल का विद्यार्थी रहा हूं। यहां आकर बचपन की यादें ताजा हो जाती है। जब केन्द्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री बना तो यह डर भी लगता है कि कहीं कामयाब नहीं हो तो क्या होगा। बच्चों से कहना चाहता हूं कि सपने देखना सीखो।

हिंदुस्तान एक मात्र शहर जोधपुर जहां इतने संस्थान : जोधपुर हिंदुस्तान का एक मात्र शहर होगा कि यहां इतने संस्थान है। एम्स, आईआईटी, एनएलयू, आयुर्वेद विवि, एफडीडीआइ सहित अन्य संस्थान हैं। अब 600 करोड़ की फिनटेक यूनिवर्सिटी खुल रही है। केन्द्र सकार ने बजट नहीं दिया तो हमने स्टेट बजट में व्यवस्था कर दी। जोधपुर के आस-पास ही अब पेट्रो कैमिकल आधारित उद्योग और रोहट में डीएमआईसी प्रोजेक्ट भी लग रहा है।

टूटी-फूटी अंग्रेजी बोल कर काम चलाते हैं : जब हम पढ़ते थे तो अंग्रेजी से नफरत करते थे, लेकिन जब संसद पहुंचे तो पता चला कि अंग्रेजी की महत्ता है। अब हमने अंग्रेजी माध्यम स्कूलों को खोलने का क्रम शुरू किया है। मगरा पूंजला स्कूल का एक वीडियो मेरे सामने आया जिसमें बच्चे अंग्रेजी में बात कर रहे हैं। मैंने अध्यापक को बधाई दी। हम तो अब भी टूटी-फूटी अंग्रेजी बोल कर काम चला रहे हैं। आने वाली पीढ़ी के लिए अंग्रेजी पढ़नी जरूरी है और यह विद्यालय गांव के बच्चों को माहिर करेंगे।

चिरंजीवी का राजस्थान मॉडल देशभर में लागू हो : सीएम ने कहा कि चिरंजीवी योजना का राजस्थान मॉडल पूरे देश में लागू होना चाहिए। मैंने गृह मंत्री अमित शाह को यह बात कही थी। यहां 10 लाख का स्वास्थ्य बीमा और पांच लाख का दुर्घटना बीमा होता है। इसके अलावा यदि एक साल में पांच लाख की राशि खर्च हो गई और आगे किसी ऑर्गन ट्रांसप्लांट के लिए ज्यादा राशि की जरूरत पड़ी तो वह भी राज्य सरकार देगी।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि जब हम पढ़ते थे तो अंग्रेजी पढने की इतनी सुविधाएं नहीं थीं, लेकिन अब गांव की सरकारी स्कूलों के बच्चे फर्राटेदार अंग्रेजी बोल सकें, इसलिए हर पंचायत में अंग्रेजी माध्यम की महात्मा गांधी स्कूलों को खोला। जिस पंचायत में 500 बच्चियां पढ़ रही होंगी, वहां महाविद्यालय खोलेंगे। वे महामंदिर स्थित श्री सुमेर शिक्षण संस्थान के 125वें स्थापना दिवस समारोह पर बोल रहे थे।

मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि प्रदेश के 33 में से 30 जिलों में मेडिकल कॉलेज बन रहे हैं। राजस्थान में 80 विवि हो गए हैं। असक्षम परिवारों के 200 प्रतिभावान बच्चों को सरकार विदेश में पढ़ाई के लिए भेज रही है। इसके लिए नींव को महात्मा गांधी स्कूल खोलकर मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सपने सच करने हैं तो उन्हें देखना सीखें। अगर यही भावना रखोगे तो आप हर क्षेत्र में आगे बढ़ोगे।

उन्होंने कहा कि पहले प्रदेश में अकाल की स्थितियां बन जाती थी, लेकिन मानसून भी अब मेहरबान हो गया है। किसान खुश हैं कि उनकी फसलें अच्छी हो

क्या कहते हैं पूर्व वरिष्ठ छात्र ...

- 1952 से 1958 तक यहां पढ़ाई की। इसके बाद 1965 से 76 तक यहीं पर अध्यापन करवाया। एनसीसी नेवी में रहे और यहीं से पिलानी स्कूल में शिक्षक लगे और 2001 तक वहीं अध्यापन करवाया - गौरीशंकर सोलंकी, 81 वर्ष
- 70 साल पहले यहां पढ़ाई की थी। माहौल ही अलग था और शहर के प्रतिष्ठित स्कूलों में तब भी शुमार थी और आज भी अनुशासन गजब का है। पढ़ाई के बाद मुझे अपनी पैतृक दुकान संभालनी पड़ी - भंवरलाल सांड 87 वर्ष
- 1955 से 1960 तक यहीं पर पढ़ाई की। स्कूल का माहौल बहुत अच्छा था यह स्कूल खेलकूद में हमेशा चौपासनी स्कूल से टक्कर लेता था। बाद में रेलवे में नौकरी लगी और 1996 में सेवानिवृत्त हुआ- तुलसीराम सोलंकी भाईला, 82 वर्ष
- 1953 से 1957 तक यहां पढ़ाई की। एनसीसी में रहा और इसके बाद 1963 में फिर से इसी स्कूल में अध्यापन करवाने लगा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत यहां पढ़ने आए, मैंने उनको भी पढ़ाया है। उसके बाद 1980 में अध्यापन छोड़ दिया - कानसिंह गहलोत 84 वर्ष
- सुमेर स्कूल से 1958 में दसवीं पास की। यादें आज भी ताजा है उस समय हीरालाल नागर थे जो हमें अंग्रेजी पढ़ाते थे और शिक्षा को बड़ी तवज्जो दी जाती थी। बाद में मैं सरकारी शिक्षक बना और 1997 में सेवानिवृत्त हुआ - सांवरलाल चौहान, 84 वर्ष

रही हैं। लंपी स्किन बीमारी को लेकर सरकार गंभीर है। इसके इलाज के लिए बेहतर प्रयास किए जा रहे हैं।

एक पाठशाला के रूप में हुई शुरुआत को लगन-अनुशासन से बना दिया संस्थान : जसवंत सिंह कच्छवाह

1898 में समाज की एक बैठक हुई जिसमें एक पाठशाला खोलने पर सहमति बनी। उस पर सायबराम गहलोत, पोकर कछवाह, पुरखा सांखला और मधजी कछवाहा ने अगुवाई कर इस स्कूल स्थापना की नींव रखी। तब से अब तक 125 साल हो गए सुमेर शिक्षण संस्थान महामंदिर की ओर से संचालित सुमेर स्कूल का काम अनुशासन व लगन से यह काम चल रहा है।

सोमवार को समारोह में स्कूल के इतिहास की जानकारी साझा करते हुए संस्था के सचिव जसवंत सिंह कच्छवाह ने यह बात कही। इस अवसर पर 68 ऐसे विद्यार्थियों का भी सम्मान हुआ जो कि 80 वर्ष से अधिक उम्र के हैं। सीएम गहलोत ने उनकी सीट पर जाकर उनका सम्मान किया। कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री सुभाष गर्ग ने अब तक की सरकार की योजना को गिनाया तो अध्यक्षता कर रहे राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत ने माली समाज के संगठन व स्कूल के विकास की सराहना की। इससे पहले रघुनाथ सिंह सांखला ने स्वागत भाषण दिया तो प्रबंध समिति के सचिव जसवंतसिंह कच्छवाह ने विकास यात्रा रखी। कार्यक्रम में पशुधन विकास बोर्ड के अध्यक्ष राजेन्द्र सोलंकी, महापौर उत्तर कुंती परिहार, निदेशक रीको सुनील परिहार, विधायक मनीषा पंवार, लूणी विधायक महेन्द्र विश्नोई, लोहावट विधायक किशनाराम बिश्नोई, राज्य मेला प्राधिकरण के उपाध्यक्ष रमेश बोरणा, बद्रीराम जाखड़ सहित अन्य मौजूद रहे।

उपलब्धि : आरयू-एमडीएसयू में पढ़ा रहे है राजस्थान का इतिहास पुस्तक

10 राज्यों की यूनिवर्सिटी में पढ़ा रहे असिस्टेंट बागौर के पौफेसर डॉ. नारायण लाल माली की किताबें

300 से अधिक लेखकों को अब रॉयल्टी का ऑनलाइन हिसाब मकसद न लाभ न हानि, बस लेखकों को पहचान दिलानी हैं

भीलवाड़ा उच्च शिक्षा के स्टूडेंट्स को हिंदी में विभिन्न विषयों से रूबरू कराने के लिए राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी ने अनूठी पहल की है। अकादमी ने अब समय के साथ इतने बदलाव किए कि अब पूरे देश में इसका नाम है। इस अकादमी की ओर से 100 से अधिक पुस्तकें जारी हैं जो राजस्थान के अलावा मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, बिहार, हरियाणा एवं दिल्ली सहित कई हिन्दी भाषी प्रदेशों की यूनिवर्सिटी में पढ़ाई जा रही है। इस अकादमी में भीलवाड़ा जिले के बागौर निवासी डॉ. नारायणलाल माली भी जुड़े हुए हैं। ये अभी रायपुर के राजकीय महाविद्यालय में इतिहास विषय में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं। इन्होंने राजस्थान का इतिहास, कला, संस्कृति, साहित्य परम्परा एवं विरासत के 31 संस्करण अकादमी के प्रकाशन में लिखे हैं। इस पुस्तक का 32वां संस्करण आने वाला है। अकादमी ने इनकी करीब एक लाख से अधिक किताबें बेची हैं जो देशभर में पढ़ाई जा रही है। इन्होंने वर्ष 2013 में इस पुस्तक की शुरुआत की। इसमें डॉ. हुमायूंचंद जैन का भी सहयोग रहा। राजस्थान की परंपरा, संस्कृति आदि को जानने के लिए आम पाठकों के साथ ही प्रतियोगी परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों के लिए महत्वपूर्ण जानकारी है। इन्होंने भी लिखी पुस्तकें...डॉ. बसंतीलाल बावेल: ये भीलवाड़ा शहर के रहने वाले हैं। इन्होंने अकादमी के प्रशासन में अब तक पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास योजनाएं व विधि शास्त्र पुस्तक लिखी है। इनकी अब तक कई पुस्तकें बिकी है। ऐसे लिख सकते हैं अकादमी में पुस्तक...कोई लेखक यदि अकादमी को प्रकाशन केंद्र बनाकर पुस्तक लिखना चाहे तो उन्हें यह बताना होगा कि पुस्तक की पृष्ठभूमि क्या है। हिंदी ग्रंथ अकादमी ने हिन्दी माध्यम में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों के लिए विभिन्न विषयों की पाठ्य सामग्री उपलब्ध करवाती है। अकादमी न लाभ-न हानि के सिद्धान्त पर पुस्तकें प्रकाशित करती है ताकि कम कीमत की इन पुस्तकों को अधिक से अधिक लोग खरीद सकें। अकादमी ने राजस्थान के लेखकों से अपने विचारों को अभिव्यक्तकरने के लिए पुस्तक लिखने व उसकी बिक्री की जिम्मेदारी भी ले रखी है। अब इसकी बिक्री ऑनलाइन व प्रदेश के विभिन्न केंद्रों पर हो रही है। राजस्थान की यह अकादमी पहला ऐसा केंद्र है जो लेखकों को मिलने वाली पुस्तक की प्रतिदिन का हिसाब वेबसाइट पर रखती है। यह अकादमी अभी 20 प्रतिशत रॉयल्टी देती है। इस अकादमी में भीलवाड़ा के भी कई लेखक है। फिलहाल इसमें करीब 300 लेखक जुड़े हुए हैं।

2010 में की पीएचडी... बागौर के असिस्टेंट प्रोफेसर नारायणलाल पहले स्कूल में व्याख्याता बने। इसके बाद आरएएस की तैयारी की जिसमें तीन बार मेन एग्जाम क्लियर किया। एलाइड सर्विस मिली लेकिन रुचि शैक्षणिक कार्यों में ही होने से 2018 में कॉलेज शिक्षा में ज्वॉइन किया। इन्होंने राजस्थान का इतिहास के नाम से एक पुस्तक लिखी है जो राजस्थान यूनिवर्सिटी व एमडीएस यूनिवर्सिटी के सेकंड ईयर में पढ़ाई जा रही है।

जयपुर में आरक्षण की मांग करने वाले युवाओं पर लाठीचार्ज

आरक्षण के लिए फुले ब्रिगेड के आव्हान पर हजारों लोगों ने किया प्रदर्शन

मुख्यमंत्री ने आरक्षण समिति के अधिकारियों को 10 दिन में आयोग बनाने का दिया आश्वासन

जयपुर। समाज के राष्ट्रीय फुले ब्रिगेड के हजारों कार्यकताओं ने अलग आरक्षण सहित 11 सूत्री मांगों को लेकर 15 सितंबर को रात 12 बजे सीकर हाईवे और अजमेर दिल्ली एक्सप्रेस वे पर जाम लगा दिया। इस दौरान 3 से 4 किमी का लंबा जाम लग गया। एडिशनल कमिश्नर अजयपाल लांबा और कैलाश विश्नोई भारी पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंच कर समझाइस की कोशि की लेकिन बात नहीं बनी। अलसुबह 4 बजे पुलिस ने हाईवे पर सो रहे आंदोलनकारियों पर लाठीचार्ज कर उन्हें खदेड़ा जिसमें अनेकों युवा घायलहुए।

पुलिस ने फुले ब्रिगेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रप्रकाश सैनी सहित 84 लोगों को गिरफ्तार किया। इससे पूर्व विद्याधर नगर में दिन भर धरना प्रदर्शन चला तथा प्रदेश भर से आएं हजारों युवाओं ने आरक्षण के लिए हुंकार भरी जिसे समाज के अनेकों संगठनों के साथ ही विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों ने संबोधित किया। जब रात्रि में इनके प्रतिनिधिमण्डल ने सीएमओ में मुख्यमंत्री से मिलने का समय मांगा और उन्हें समय नहीं मिला तो पूरा हुजुम हाईवे पर विरोध स्वरूप उतर गया और हाईवे जाम किया।

इससे पूर्व उदयपुरवाटी में आरक्षण को लेकर सैनी समाज 12 सितम्बर को दिल्ली-मुंबई रेलवे ट्रेक को जाम करने की घोषणा और तैयारियां की तो मंत्री जुली ने समाज के प्रतिनिधि मण्डल को आश्वसत किया कि मुख्यमंत्री से मिटिंग का जल्द से जल्द प्रबंध कर आपकी मांगों के लिए रास्ता निकाला जाएगा।

इस पर आरक्षण संघर्ष समिति के प्रदेश संयोजक मुरारीलाल सैनी ने सभी की सहमति से मुख्यमंत्री से मिलने तक आंदोलन को स्थगित किया। सैनी ने कहा कि आरक्षण सैनी समाज का हक है और संघर्ष के दम पर आरक्षण लेकर रहेंगे। उन्होंने कहा कि 12 सितम्बर को दिल्ली-मुंबई रेलवे ट्रेक को जाम करने की शुरुआत भरतपुर से की जानी थी। लेकिन सरकार की ओर से सकारात्मक चर्चा के चलते इसे कुछ समय के लिए स्थगित किया गया।

इससे पूर्व आयोजित सम्मेलन में मुख्य वक्त रिटायर्ड आईएएस ओपी सैनी ने कहा कि आरक्षण मुद्दे पर बैठकर चर्चा करके समाधान निकाला जा सकता है। सैनी समाज सीकर जिलाध्यक्ष भंवरलाल गार्डे ने कहा कि आरक्षण मुद्दे पर सभी संगठनों को एक साथ आना होगा। आरक्षण के लिए अलग अलग आंदोलन कर रहे संगठनों को एक साथ लाना समाज के नेताओं की जिम्मेदारी एकजुट होकर लड़नी होगी लड़ाई सम्मेलन में वक्ताओं ने कहा कि जिले में सैनी समाज की संख्या होने के बावजूद समाज के लोगों को विधानसभा और लोकसभा में प्रतिनिधित्व नहीं मिल रहा है। इसमें सफल होने के लिए सभी को एकजुट होना होगा। समाज को एकजुटता दिखाते हुए दोनों

पुलिस गिरफ्त में युवाओं को छुड़ाने के लिए प्रदेश भर में धरना प्रदर्शन और ज्ञापन दिए गए

आरक्षण आंदोलन में पुलिस द्वारा 15 सितंबर को पकड़े गए 84 युवाओं को छुड़ाने के लिए प्रदेशभर में समाज की विभिन्न संस्थाओं ने धरना प्रदर्शन किया। जयपुर, अजमेर, कोटा, उदयपुरवाटी, सीकर, लक्ष्मणगढ़, भोपालगढ़, जालोर, पीपाड़, जैसेलमेर, बूंदी, सवाई माधोपुर सहित अनेकों जगह पर समाज के सभी वर्गों ने युवाओं पर लाठीचार्ज और गिरफ्तारी का तीव्र विरोध किया और उन्हें जल्द से जल्द नहीं छोड़ने पर उग्र आंदोलन करने की सरकार को चेतावनी दी।

प्रमुख पार्टियों को समाज के व्यक्तिको टिकट देने के लिए मजबूर करना होगा। पार्षद अजय तसीड़ ने कहा कि समाज को राजनीतिक क्षेत्र में आगे बढाने के लिए दूसरे छोटे छोटे समाजों को अपने साथ जोडना होगा। दूसरे छोटे छोटे समाजों के लोगों के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ हमें उनके साथ खड़ा होना होगा। तभी दूसरे समाज के लोग सैनी समाज से जुड़ेंगे और राजनीतिक क्षेत्र में सफलता मिलेगी। कार्यक्रम का संचालन महेन्द्र शास्त्री बगड़, राघव पंवार लक्ष्मणगढ़ ने किया। कार्यक्रम संयोजक एडवोकेट मोतीलाल सैनी, पालिकाध्यक्ष रामनिवास सैनी ने आभार व्यक्त किया।

राज्यसभा सांसद गहलोत ने किया वेबसाइट का लोकार्पण

नागौर। संत शिरोमणि श्री लिखमीदास जी महाराज स्मारक विकास संस्थान अमरपुरा, नागौर की वेबसाइट का शुभारंभ संस्थान अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत के कर कमलों के द्वारा असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अश्विनी आर्य जोधपुर विश्वविद्यालय और असिस्टेंट प्रोफेसर ज्योत्सना भाटी राजस्थान विश्विद्यालय, जयपुर के आतिथ्य में संपन्न हुआ। अमरपुरा संस्थान के महासचिव राधाकिशन तंवर बताया कि अमरपुरा संस्थान के कार्य में पारदर्शिता लाने के लिए संस्थान की वेबसाइट का निर्माण किया गया। इसी वेबसाइट के माध्यम से अमरपुरा संस्थान में होने वाले विविध कार्यक्रमों जैसे गुरु पूर्णिमा, लिखमीदास जी महाराज की पुण्यतिथि, विविध धार्मिक, सामाजिक और शैक्षणिक कार्यक्रम और प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले पाटोत्सव की संपूर्ण जानकारी वेबसाइट के माध्यम से देखी जा सकती है। अमरपुरा संस्थान के कार्यकारिणी सदस्य गोविंद राम टाक ने बताया कि इस वेबसाइट पर संत शिरोमणि श्री लिखमीदासजी महाराज की जीवनी, उनके भजन और अपने समाज में हुए विभिन्न समाज सुधारक एवं संतों का विवरण, संस्थान कार्यकारिणी, भूमि समर्पण निधि आदि अनेक विषय इस वेबसाइट के माध्यम से अद्यतन किया जाएगा। प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले माली समाज राज्य स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह के लिए प्रतिभाओं के आवेदन पत्र भी इसी वेबसाइट के माध्यम से अ ॐनलाइन करवाए जाएंगे जिससे कि समय और श्रम दोनों की बचत हो। शुभारंभ के मौके पर संस्थान के कोषाध्यक्ष कमल भाटी, मनोहर सांखला गोलासनी, जेठाराम सांखला, मेड़ता के संग्राम सिंह, मोकलसर सरपंच बाबू लाल गहलोत, वेबसाइट नोडल ऑफीसर टीकम चंद कच्छावा, मांगीलाल गहलोत, रूपचंद टाक आदि समाज बंधु उपस्थित थे। इस अवसर पर संस्थान अध्यक्ष राजेंद्र गहलोत ने कहा कि संस्थान द्वारा धार्मिक, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक के साथ-साथ शैक्षिक गतिविधियों के क्रियान्वयन के लिए सभी समाज बंधु व भामाशाहों का सहयोग अपेक्षित है। संस्थान के माध्यम से सामाजिक व पारिवारिक संस्कारों को बल देने वाली गतिविधियां प्रतिवर्ष हो, इसके लिए शिक्षाविदों व शिक्षकों का सहयोग सादर निवेदित है। संत शिरोमणि श्री लिखमीदासजी महाराज स्मारक विकास संस्थान,अमरपुरा (नागौर)द्वारा दिसंबर माह के प्रथम सप्ताह में आयोजित छठे पाटोत्सव में होने वाले माली समाज राज्य स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह (अधिक संभावना 4 दिसंबर 2022 रविवार) के लिए प्रतिभाओं के आवेदन आमंत्रित हैं जिनके प्रतिशत या मापदण्ड निम्नानुसार है - कक्षा 10 में 90 प्रतिशत, कक्षा 12 में 92 प्रतिशत, बीएसी, बीटेक में 80 प्रतिशत, बीए, बीकॉम में 75 प्रतिशत, एमएससी एमटेक में 75 प्रतिशत, एमए एमकॉम में 70 प्रतिशत, एमबीबीएस व इसी वर्ग में पीजी नेट, जेआरएफ, बीएएमएस, आईआईटी, आईआईएम, सीए उत्तीर्ण, राजकीय सेवा में चयनित, राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय आने वाले समाज के युवाओं को साथ ही सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य, राज्य सरकार द्वारा राज्य स्तर पर पुरस्कृत समाज बंधु उपर्युक्त प्रतिशत और मापदंड हेतु प्रविष्टियां सादर आमंत्रित हैं। विशेष इस बार राज्य स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। जिसके लिए संस्थान की वेबसाईट www.sldamarpura.in, www.sldamarpura.com, www.sldamarpura.org पर फार्म उपलब्ध है।

14 वर्ष स्लम बस्ती के बच्चे पढ़ाए

अब दे रहे मुफ्त में कोचिंग

रोहतक। यह हैं अनूठे 61 वर्षीय शिक्षक डीवी सैनी। डाक विभाग से अधीक्षक पद से सेवानिवृत्त हो चुके हैं। लेकिन इन्हें हर वक्त मेधावी बच्चों के भविष्य को संवारने की फिक्र रहती है। यही वजह रही कि डाक विभाग में नौकरी के दौरान 14 साल तक इंद्रा कालोनी स्थित झुग्गी बस्ती के बच्चों को पढ़ाते रहे। रिटायर होने के बाद नवंबर 2021 में विद्यार्थियों को मुफ्त में कोचिंग देने की शुरुआत की। महज 10 माह में ही इनके पढ़ाए कई बच्चे प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो चुके हैं। अब रोहतक की तर्ज पर कुरुक्षेत्र में भी जल्द ऐसी ही शुरुआत होगी। चुन्नापुरा निवासी डीवी सैनी के मुताबिक, पिता स्वर्गीय गंगाराम के पास रोजगार नहीं था। सात बच्चों की परवरिश करना उनके लिए बड़ी चुनौती थी। बाद में पिता जी की सरकारी नौकरी लगी तो हालात सुधरे। वे महात्मा ज्योति बा राव फुले को अपना आदर्श मानते है। डाक विभाग में नौकरी के बाद डीपी सैनी घरपरिवार में व्यस्त हो गए। हालांकि वे कई जरूरतमंद बच्चों की मदद करते रहे। एक दिन झुग्गी बस्ती के कुछ बच्चों को पालीथिन बीनते देखा तो उन्हें पिता की बातें याद आई। इसके बाद वे रोजाना शाम को इंद्रा कालोनी की झुग्गी बस्ती के बच्चों पढ़ाने जाने लगे। दोस्त के सुझाव पर निःशुल्क कोचिंग सेंटर शुरू किया। डीवी सैनी ने बताया कि साल 2021 में सेवानिवृत्त होने के बाद जरूरतमंद बच्चों को शिक्षित करने की इच्छा थी।

दिल्ली पुलिस में तैनात दोस्त देवेंद्र ने निःशुल्क कोचिंग सेंटर शुरू करने का सुझाव दिया। इसके बाद सैनी ने 25-30 दोस्तों का समूह बनाया। सुखपुरा चौक बुधराम ने कोचिंग सेंटर के लिए 50 विद्यार्थियों की क्षमता का हाल व एक कमरा दे दिया। अब सैनी शिक्षकों के वेतन, किताबें, बिजली का बिल व दूसरे खर्च उठाते हैं। अंग्रेजी, हिंदी, जनरल नालेज, गणित और रीजनिंग के पांच शिक्षक का वेतन भी देते हैं। इस प्रकार महात्मा फुले के बताएं मार्ग पर चल सैनी ने अनुकरणीय कार्य किया।

हैदराबाद से आए श्रद्धालुओं ने अमरपुरा में समर्पित किया चांदी का छत्र

नागौर। भादवा के महीने में बाबा रामदेव के दर्शनों के निमित्त रामदेवरा जाने वाले यात्री, प्रवासी हैदराबाद के निवासी लगातार नागौर आ रहे हैं । रामदेवरा स्थित बाबा रामदेव के दर्शनों के पश्चात हैदराबाद से आने वाले माली समाज के श्रद्धालु बंधुओं द्वारा संत शिरोमणि श्री लिखमीदासजी महाराज की समाधि, अमरपुरा में भी दर्शनों के निमित्त आने का क्रम लगातार जारी है। इसी क्रम में नागौर के मूल निवासी व वर्तमान में सिकन्दराबाद व हैदराबाद में व्यवसायिक क्षेत्र में लगे हुए बंधुओं द्वारा अमरपुरा में देव मंदिर के दर्शन कर आशीर्वाद लिया गया। देव मंदिर में दर्शन के पश्चात श्रद्धालुओं द्वारा संत शिरोमणि लिखमीदासजी महाराज के समाधि पर भी धोक लगाई गई। श्रद्धालुओं द्वारा अमरपुरा स्थित समाधि स्थल पर एक किलो से अधिक चांदी का छत्र भी समर्पित किया गया। इस अवसर पर राजेंद्र देवड़ा, अजय भाटी, रामकुमार, पुरुषोत्तम मारोठिया, मुरली मनोहर सोलंकी व मनीराम सोलंकी सहित अनेक बंधु उपस्थित थे। नागौर से संत शिरोमणि श्री लिखमीदासजी महाराज स्मारक विकास संस्थान के कोषाध्यक्ष कमल भाटी, पापालाल सोलंकी व रामदयाल भाटी ने सभी श्रद्धालु बंधुओं को परिसर का अवलोकन करवाया तथा उन्हें यह भी जानकारी दी गई कि संस्थान द्वारा वर्तमान में स्थान परिसर के समीप ही 16 बीघा भूमि का क्रय आगामी विभिन्न योजनाएं व आवासीय व्यवस्था के प्रयोजन के निमित्त किया गया है। कोषाध्यक्ष ने अमरपुरा संस्थान की विभिन्न गतिविधियों व धार्मिक, आध्यात्मिक क्षेत्र में भविष्य में होने वाले कार्यक्रमों के निमित्त श्रद्धालु बंधुओं से सक्रिय सहयोग करने का निवेदन किया।

रामजी महाजन की 23वीं पुण्यतिथि पर
समाजसेवियों को किया सम्मानित

शाकंभरी बोर्ड बनाकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने समाज को तोहफा दिया : रामकुमार पटेल

भोपाल। संयुक्तमाली सैनी मरार समाज के युगपुरुष रामजी महाजन की 23 वी पुण्यतिथि का महात्मा फुले भवन में आयोजन हुआ।

समारोह में उपस्थित हुए अतिथियों में रामकुमार पटेल शाकंभरी बोर्ड अध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री दर्जा) छत्तीसगढ़, पी सी शर्मा पूर्व मंत्री एवं विधायक, किशन सूर्यवंशी अध्यक्ष नगर निगम भोपाल, राजीव सिंह महामंत्री प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने रामजी महाजन को स्मरण किया।

विभिन्न प्रदेशों के समाज सेवियों को इस अवसर पर सम्मानित किया गया इनमें सर्वश्री शंकरराव लिंगे, महाराष्ट्र, गंगाराम गहलोत गुजरात, रामलाल कढवाहा छत्तीसगढ़ से दुर्गा प्रसाद पटेल पूर्व अध्यक्ष मरार समाज हिमाचल, एडवोकेट अनुभव चंदेल राजस्थान, चन्दनलाल माली उत्तर प्रदेश, गुरनाम सिंह सैनी हरियाणा, आजाद सिंह सैनी दिल्ली, डॉ दिलीप धाबडे महाराष्ट्र को अतिथियों ने सम्मानित किया।

राष्ट्रपति विशेष पुलिस पदक प्राप्त घनश्याम राहुल का इस अवसर पर अभिनंदन किया और महात्मा फुले दर्शन पत्रिका के विशेषांक का विमोचन किया गया। वक्ताओं ने युगपुरुष रामजी महाजन द्वारा समाज को एकजुट करने और महात्मा फुले आदर्शों को आगे बढ़ाने जैसे कार्यों के लिए उनका स्मरण किया एवं उन्हें सादर नमन किया। छत्तीसगढ़ शाकंभरी बोर्ड के अध्यक्ष रामकुमार पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि मरार माली सैनी कुशवाहा हम सब एक समाज है ज्योतिराव फुले जी के आदर्श परिवार हमारे वंशज है। राष्ट्रीय नेतृत्व एवं राज्य नेतृत्व के लिए मिलकर एकजुटता का परिचय दें क्योंकि हम सब एक ही महापुरुष के वंशज है भले ही गोत्र अलग-अलग हो लेकिन हम मरार माली सैनी कुशवाहा काछी सब एक हैं। उन्होंने कहा कि मैं समाज से अपील करता हूँ की अपनी एकजुटता का परिचय दत हुए राजनीतिक क्षेत्र में अपने कदम को आगे बढ़ाएं युवा साथियों को ज्यादा से ज्यादा मौका दिया जाए। मातृशक्ति को साथ में लेकर चले देश की सत्ता और सरकार का बड़ चढ़कर हिस्सा लें जिस प्रकार से छत्तीसगढ़ राज्य में कांग्रेस की सरकार भूपेश बघेल की सरकार ने मरार समाज को इतना बड़ा जो तोहफा दिया है। छत्तीसगढ़ सरकार ने शाकंभरी बोर्ड बना कर समाज को सम्मान दिया है। हमें भपेश बघेल जी के साथ कदम से कदम मिलाकर साथ देना हैं इसी प्रकार देश और प्रदेश में एकता का परिचय देना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज के अध्यक्ष जी पी माली ने करते हुए कहा अब समाज में राजनैतिक जागरूकता बढ़ रही है। कृतियां, फिजूल खर्ची कम करने का अभियान चलाया जा रहा है। समारोह में प्रदेश के नगर निगम, नगर पालिका, नगर परिषद, जिला पंचायत, ग्राम पंचायत के नवनिर्वाचित अध्यक्ष, पार्षद, सभापति को रामजी महाजन पिछड़ा वर्ग सम्मान से सम्मानित किया गया। उपाध्यक्ष रामनारायण चौहान ने फुले भवन निर्माण और समाज द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष जगदीश सैनी ने स्वागत भाषण दिया। इस अवसर पर समाज के पदाधिकारी इनमें सर्वश्री दतु महाजन, राजेंद्र कुमार सैनी, इंजीनियर राजेंद्र अंबाड़कर, दिनेश सैनी, अमृतलाल माली, विट्ठलराव मरघड़े, डॉक्टर छाया सैनी, जगदीश सोलंकी, घनश्याम राहुल, मधु अंबाड़कर एवं कार्यकारिणी सदस्यगण रामचरण माने, मीना मावर, आर के खरे, महेश मात्रे, आर जी सातपुते, अशोक सैनी, तीरथ नागफासे, भूपेन्द्र माली, रामलाल बड़ोलिया, प्रेम नारायण सैनी, सुखदेव कश्यप, अनिल अचारकोटे ने अतिथियों का स्वागत किया समाज के नो प्रदेशों व अन्य गणमान्य प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। उपाध्यक्ष गजानंद भाटी और महासचिव हरिसिंह सैनी ने कार्यक्रम का संचालन किया। सभी ने महात्मा फुले रचित सामूहिक प्रार्थना कर समाजहित में कार्य करने का संकल्प लिया।

ब्यावर की बिटिया प्रीतिका बनी इंटरनेशनल मेकअप आर्टिस्ट

ब्यावर। शहर की बेटी ने इंटरनेशनल मेकअप आर्टिस्ट बन शहर का नाम रोशन किया। भंवर लाल गोठी स्कूल से सीनियर सेकेंडरी और ब्यावर कॉलेज से पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद कृष्णा कॉलोनी निवासी आर्टिस्ट प्रीतिका चौहान ने अहमदाबाद में स्थित ISAS CIDESCO स्विजरलैंड) से विभिन्न विदेशी तकनीक द्वारा अंतरराष्ट्रीय मेकअप आर्टिस्ट का प्रशिक्षण प्राप्त कर डिग्री हासिल की।

प्रीतिका चौहान की माता श्रीमती ज्योति चौहान हिंदी विषय की व्याख्याता हैं और पिता श्री राजेंद्र चौहान विद्युत विभाग में कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि अपने अंतर्राष्ट्रीय अनुभव के साथ शीघ्र ही ब्यावर वासियों के साथ साझा करते हुए मेकअप आर्टिस्ट की प्रशिक्षण सेवाएं प्रदान करेंगी साथ ही विवाह एवं अन्य समारोह में मेकअप के लिए भी अपनी अंतर राष्ट्रीय प्रशिक्षण की सुविधाओं से लाभान्वित करेंगी।

इस अवसर पर विद्यालय एवम कॉलेज के पदाधिकारियों, व्याख्याताओं एवम अध्यापक अध्यापिकाओं के साथ साथ संपूर्ण चौहान परिवार ने प्रीतिका चौहान को बधाई देते हुए शहर का नाम उज्ज्वल करने के लिए उत्साहवर्धन किया। आज समाज की बेटियां देश के बाहर भी अपनी प्रतिभा और योग्यता से समाज के साथ ही माता पिता का नाम रोशन कर रही है। हम सभी समाज की बिटिया प्रीतिका चौहान को इस उपलब्धि पर बधाई प्रेषित करते हुए उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित करते है।

आरजेएस परीक्षा परिणाम में समाज के युवाओं ने मारी बाजी 9 युवा बने जज

हिन्दी मीडियम स्टूडेंट रहे महावीर सैनी को तीसरी रैंक

जयपुर। आरजेएस परीक्षा का परिणामों में समाज के कई होनहारों ने सफलता प्राप्त की।सीकर रोड पर रहने वाले महावीर सैनी को तीसरी रैंक मिली।

महावीर सैनी: 12 वीं तक हिंदी माध्यम रहे, फिर अंग्रेजी माध्यम में की पढ़ाई तीसरी रैंक हासिल करने वाले महावीर सैनी ने 12वीं तक हिंदी माध्यम में पढ़ाई की थी। इसके बाद अंग्रेजी माध्यम में बीए-एलएलबी की। रोड नंबर छह, सीकर रोड पर रहते हैं और मूल रूप से गुवाडी जयसिंहपुरा के रहने वाले हैं। 12वीं तक की पढ़ाई चौमूं से की। सैनी ने बताया कि हिंदी माध्यम होते हुए मैंने कभी यह नहीं सोचा कि अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाई कैसे करूंगा। मेरे पिता अधिवेजन अधिकारी हैं। इसलिए वे कभी-कभी मुझे कोर्ट ले जाते थे। इससे मुझे थ्योरी के साथ साथ प्रैक्टिकल नॉलेज हुआ। इसका मुझे आरजेएस परीक्षा में काफी फायदा मिला। मेरी मां गृहिणी हैं। सैनी वर्तमान में आरयू से एलएलएम कर रहे हैं। आरयू से बीएल-एलएलबी में गोल्ड मेडल भी प्राप्त किया था।

पीपाड़ निवासी युवा सुनील कच्छवाह पुत्र स्व. जबरसिंह जी कच्छवाह। नागौर निवासी चंदन भाटी पुत्र कमल भाटी का ने 59 वीं रैंक हासिल की। वहीं व्यावर समाज की पहली मजिस्ट्रेट बनीं प्रियंका चौहान पुत्री संतोष चौहान ने 60वीं रैंक हासिल की। सिरोही शिवगंज के भरत सैनी पुत्र श्री चतुर्भुज सैनी। जीतेन्द्र भाटी, नागौर, रामजीत भाटी, जोधपुर से कृतिका गहलोत पुत्री राजेन्द्र गहलोत एवं रविन्द्र सोलंकी पुत्र मांगीलाल सोलंकी ने भी आरजेएस बन समाज का गौरव बढ़ाया।

राजस्थान हाईकोर्ट के जज ड्राइवर की बेटी कार्तिका गहलोत से मिलिए, जिन्होंने राज्य की न्यायपालिका की परीक्षा पास की :

राजस्थान न्यायिक सेवा परीक्षा में 66 वां रैंक हासिल करने वाली कार्तिका ने जज बनने के अपने बचपन के सपने को पूरा करने की प्रेरक कहानी साझा की।

कृतिका के पिता राजेंद्र गहलोत ने 31 वर्षों से अधिक समय तक राजस्थान उच्च न्यायालय से विभिन्न मुख्य न्यायाधीशों को गाड़ी चलाने के दौरान, शायद सपना देखा था कि उनकी बेटी को इसी तरह एक आधिकारिक वाहन की पिछली सीट पर ले जाया जाएगा। आज कार्तिका गहलोत राजस्थान न्यायिक सेवा परीक्षा में 66वां रैंक हासिल कर उस सपने के करीब एक कदम आगे हैं।

कार्तिका ने प्रेरक कहानी साझा करते हुए बताया कि कैसे उन्होंने जज बनने के अपने बचपन के सपने को हासिल किया। कार्तिका गहलोत ने बताया कि छठी कक्षा से ही जज बनना चाहती थीं। तभी मैंने फैसला किया कि मैं काला कोट पहनकर न्यायपालिका में जाना चाहती हूं। पिछले 31 वर्षों से, मेरे पिता ने राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के लिए एक ड्राइवर के रूप में कार्य किया है। तो एक मायने में, मेरे परिवेश ने मुझे इसे आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। कृतिका ने जोधपुर के सेंट अस्टिन सीनियर सेकेंडरी स्कूल मे प्रवेश लिया। हाई स्कूल में मैथ्स के साथ कामर्स लिया। इसके बाद, जोधपुर, राजस्थान में जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय से पांच वर्षीय बीबीए,एलएलबी की डिग्री हासिल की, और इसी साल फरवरी में ही स्नातक किया है।

कृतिका ने बताया कि अपनी तैयारी कोविड-19 समय के दौरान शुरू की थी, इसलिए नकारात्मक वातावरण से सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त करना थोड़ा चुनौती भरा था। हालांकि, इसका श्रेय मेरे माता-पिता को जाता है, जिन्होंने मुझे हमेशा कठिन समय में भी सकारात्मकता प्रदान की।

हमारे विश्वविद्यालय को भी महामारी के दौरान बैकलॉग की समस्या का सामना करना पड़ा। प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा के बीच का समय विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि हमें दो सेमेस्टर की परीक्षा देनी थी, और इससे बहुत अनिश्चितता हुई। कृतिका ने कहा कि जब फॉर्म भरा तो यकीन नहीं था कि हम अपनी कानून की डिग्री भी प्राप्त करेंगे और मुख्य परीक्षा के लिए समय पर पाठ्यक्रम पूरा करेंगे। कोविड के दौरान, हमने घर से अपने प्रोजेक्ट और मिड-टर्म परीक्षा दी, जबकि अंतिम परीक्षा के लिए हमें विश्वविद्यालय जाना पड़ता था।

कृतिका ने इस सफलता के लिए अपने गुरु और इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश गोविंद माथुर के साथ-साथ पूर्व जिला और सत्र न्यायाधीश मंडल प्रसाद बोहरा का आभार प्रकट किया और साथ ही बताया कि एडवोकेट धर्मेंद्र सुराणा से भी काफी तकनीकी मार्गदर्शन मिला, जिनके साथ उसने करीब डेढ़ साल तक इंटर्नशिप की। इसके अलावा, मैं पूर्व आईएएस अधिकारी रतन लाहोटी का भी धन्यवाद दिया, जिन्होंने मुझे साक्षात्कार के लिए तैयार किया।कृतिका ने इस दौरान उत्कर्ष ऑनलाईन कोर्स से भी अपनी तैयारियां की जिसके लिए निर्मल गहलोत का आभार भी प्रकट किया।

साधारण परिवार में पली बढ़ी प्रियंका ने 60वीं रैंक हासिल की

मसूदा रोड़ उत्सव वाटिका के पीछे निवासी संतोष जी चौहान व सरोज देवी चौहान की पुत्री प्रियंका चौहान के आरेएस घोषित परिणामों में 60वीं रैंक पर चयन हुआ, सामान्य परिवार मैं जन्मी चौहान ने इस सफलता का श्रेय अपने माता पिता,गुरुजनों व व्यावर कोर्ट मै कार्यरत रीडर अपने ससुर सुनिल दगदी को दिया। यह पहला अवसर है जब व्यावर माली समाज से मजिस्ट्रेट बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

व्यावर माली समाज की पहली आरजेएस बनने वाली प्रियंका चौहान का पुष्कर माली समाज के सचिव पुखराज दगदी के निवास स्थान पर माली समाज द्वारा समाज की बेटी का स्वागत किया गया,माली समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष ताराचंद गहलोत ने शॉल ओढ़ाकर एवं बाबूलाल दगदी , जयनारायण दगदी, गोपाल भाटी, गोविंद दगदी, चंद्र भाई बंटी भाई ' द्वारा माला व साफा पहनाकर समाज की बेटी का हॉसला अफजाई की,साथ ही कोठी नवयुवक मंडल पुष्कर के अध्यक्ष सूरजमल दगदी, बंटी भाई, अमित दगदी,गणेश दगदी द्वारा महात्मा ज्योतिबा फुले की तस्वीर भेंट की।

हमारे समाज के सफलता प्राप्त करने वाले युवा आरजेएस

सुनील कच्छवाह

चंदन भाटी

भरत सैनी

रामजीत भाटी

रविन्द्र सोलंकी

जितेन्द्र भाटी

माली सैन समाज का चामुण्डा कुलदेवी लौद्रवा मेले व वार्षिक सम्मेलन में 25 लाख की घोषणाएं

शिक्षा के बिना समाज का उत्थान नहीं

अपनी बेटियों को शिक्षा के प्रति करें जागरूक : परमार

जैसलमेर। माली सैनी विकास संस्थान जैसलमेर द्वारा सोमवार की रात्रि में चामुंडा कुलदेवी लौद्रवा मेला व वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रमुख प्रतापसिंह सोलंकी उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व जिला प्रमुख अंजना मेघवाल, प्रधान प्रतिनिधि लखसिंह, रूपसी सरपंच स्वरूपसिंह व स्वजातीय अतिथि के रूप में पूर्व न्यायाधीश भल्लाराम परमार, जलदाय विभाग के अधिशाषी अभियंता छतराराम पंवार, सैनी माली कर्मचारी अधिकारी महासंघ के जिलाध्यक्ष हंसराज सोलंकी, प्रदेश अध्यक्ष विद्युत श्रमिक संघ धर्मेंद्र सांखला, जिला परिषद सदस्य मोनिका अमित परिहार, अमरसागर सरपंच पूनम मेघराज परिहार, बड़ाबाग सरपंच जसोदा देवी, मनोनीत पार्षद मोहन परिहार, भामाशाह व समाजसेवी पुखराज

माणकलाल परिहार, सेवानिवृत्त थानेदार नखतमल सोलंकी नोख व डॉ. दीपक कुमार सहित समाज के वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारी तथा समाजसेवी उपस्थित रहे। अतिथियों ने मां चामुंडा माता की विधि विधान से पजा अर्चना कर अमनचैन व खुशहाली की कामना की। इसके बाद माली समाज के महामंत्री राजेंद्र कुमार सैनी ने वार्षिकोत्सव की संपूर्ण रूपरेखा प्रस्तुत की। जनप्रतिनिधियों से संस्थान के लिए विभिन्न प्रकार कार्यों के बारे में अवगत करवाया। जिसमें संस्थान द्वारा जनप्रतिनिधियों से सहयोग की मांगें रखी गई। इस अवसर पर पूर्व जिला प्रमुख अंजना तनेराव मेघवाल ने संबोधित करते हुए बालिकाओं को शिक्षा लिए अधिक से अधिक प्रोत्साहित करने का आह्वान किया। इसके साथ ही माली सैनी संस्थान के विकास के लिए विधायक कोटे से 10 लाख रुपए की घोषणा की।

वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते पूर्व न्यायधीश भलाराम परमार ने कहा कि बालिकाओं को शिक्षा ग्रहण करवाने की बहुत आवश्यकता है। शिक्षा के बिना समाज का उत्थान नहीं होगा। उन्होंने सभी लोगों से अपने बेटियों को शिक्षा के प्रति जागरूक करने तथा बालिकाओं को शिक्षा की ओर अग्रसित करने की अपील की। इस अवसर पर हंसराज सोलंकी, सेवानिवृत थानेदार नखतमल सोलंकी ने संबोधित किया। कार्यक्रम में जिला प्रमुख प्रतापसिंह सोलंकी ने संबोधित करते हुए संस्थान को आवश्यक आर्थिक सहयोग देने का आश्वासन दिया। प्रधान प्रतिनिधि लखसिंह ने माली समाज के सार्वजनिक कार्य के लिए 5 लाख रुपए की घोषणा की। वहीं रूपसी सरपंच स्वरुप सिंह ने भी लोद्रवा में संस्थान कार्य के लिए 10 लाख की घोषणा की गई।

कार्यक्रम में माली सैनी समाज जैसलमेर के अध्यक्ष देवीलाल पंवार ने उत्कृष्ट परिणाम लाने वाले जिले के विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र व पुरस्कार देकर सम्मानित किया। साथ ही अन्य क्षेत्रों में समाज को गौरवांवित करने वाले स्वजातीय को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने अतिथियों व उपस्थित समाजबंधुओं का आभार जताया।

चामुण्डा मेला में पूर्व माली समाज के अध्यक्ष भगवानसिंह परिहार, बाड़मेर के एडवोकेट पुरुषोत्तम माली, साजित के फोटोग्राफर शैतान माली, सैनी वर्ल्ड इकॉनोमिक संस्थान के तहसील अध्यक्ष कैलाश माली, अध्यापक हीरालाल नोख, दमाराम माली, चामुंडा सेवा समिति के अध्यक्ष प्रेमाराम, सब्जी मंडी अध्यक्ष तोलाराम, रमणलाल, गोपी देवी, रावताराम, स्वरूपलाल, लीलाधर सोलंकी, पोकराम, प्रेम किशोर, अमित परिहार सहित समाज के कई लोग उपस्थित रहे। सम्मेलन का संचालन योग गुरु चुन्नीलाल पंवार, महामंत्री राजेंद्र सैनी व शिवलाल साजित ने किया।

हमारे समाज के महापुरूषों की दूरगामी सोच
125 वर्ष पूर्व शिक्षा के लिए स्कूल का निर्माण

श्री सुमेर शिक्षण संस्थान जोधपुर

(स्थापना : 19 अगस्त 1898)

संस्थापक :- ठे. पोकर कच्छवाहा, ठे. सावबराम गहलोत.
ठे. पुरखाराम साँखला. ठे. मघ कछवाहा

सन् 1883 की जून से सितम्बर तक स्वामी दयानन्द का जोधपुर में धर्म प्रचार के साथ सामाजिक सुधार के भाषणों को जोधपुर निवासियों पर काफी प्रभाव पड़ा। हमारी जाति के जोधपुर नगर की तीनों बस्तियों नागौरी, जालोरी और जोधपुरी नामक तीनों समूहों व सातों खेड़ों - मण्डोर, चौंचपुरा, गवां बागां, चोखा, गोलासणी, पूंजला, बासणी व दईजर के लोगों ने उनके सत्संग का पूरा लाभ उठाया और समाज में शिक्षा के प्रचार व प्रसार में लग गये। शिक्षा प्रचार व समाज सुधार हेतु "जोधपुर सैनिक क्षत्रिय मित्रमण्डल" का गठन हुआ।"

वि.सं. 1954 की वैसाख माह में समाज के लोगों का एक सम्मेलन मगराजजी के टांके पर बुलवाया गया था तब सम्मेलन में यह निर्णय लिया गया कि न्याति के बच्चों की शिक्षा के लिये एक पाठशाला खोली जावे और तब कई लोगों ने चन्दा दिया और तब ओलियां आठ हजार तक की लिखी गई। मुख्य चन्दा देने वालों में ठेकेदार साहिबराम जी गहलोत, ठेकेदार पोकर जी बनजी कच्छवाहा, ठेकेदार मधजी धुलजी कच्छवाहा व दारोगा फासखाना पुरखाजी पृथ्वीराजजी सांखला थे। अन्य चन्दा देने वालों में मुख्य रहे गजी टाक, रतनाजी सांखला, जगाजी चौधरी, सूरजमलजी कच्छवाह, दयारामजी गहलोत, सेवाजी सोलंकी, लच्छीरामजी गहलोत, छोगजी परिहार आदि। उसी वर्ष में विद्यालय के लिये भूमि महामन्दिर के बाहर, नागौरी दरवाजा के रास्ते पर दांई ओर खरीदली गई और वहां तीन कमरों का स्कूल भवन 1898 में तैयार हो गया।

इतिहासकार जगदीशसिंह गहलोत द्वारा लिखित इतिहास के अनुसार : तीनों बस्ती व सातों खेड़ों में ईण्डबिल छपवाकर वितरित किया गया ताकि ज्यादा से ज्यादा जाति बन्धु उपस्थित होवे। इस स्कूल भवन का उद्घाटन 29 अगस्त 1898 को महाराज कुमार सुमेरसिंह द्वारा स्कूल भवन के ताले के हाथ लगाकर किया गया। तब महाराज कुमार केवल 8 माह के बच्चे थे। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता आर्यसमाज के स्वामी भास्करानन्द सरस्वती ने की। उस समय सरकार की ओर से 1500 रुपये का अनुदान दिया गया जिसके कारण स्कूल का नाम सुमेर स्कूल रखा गया। उपस्थित महानुभावों में महाराज जालमसिंह, महाराज दौलतसिंह के अलावा कई सरदार व मुत्सही थे। नायब फौजदार पंचोली चतुर्भुज के भाषण भी हुए। सन् 1918-19 की सुमेर स्कूल के मुखपत्र सैनिक क्षत्रिय मित्र के अनुसार ठेकेदार पोकरजी बनजी कच्छवाहा स्कूल के मुख्य संस्थापक थे। ठेकेदार साहिबरामजी गहलोत ने स्कूल के पहले खण्ड का निर्माण कराया। उन्होंने वि.सं. 1955 (ई. सन् 1898) में 2000 रुपये स्कूल की कमेटी को दिये जिसमें से 1000 रुपये स्कूल भवन के चन्दे में तथा 1000 रुपये में स्कूल का अहाता बनाकर दिया। आगे के लिये स्कूल में मासिक चन्दा देते रहे और उनके स्वर्गवास (1922) के पश्चात् उनके सुपुत्र भोमाराम जी व शिवराम सिंह

सांखला थे । पुरखाजी के एक हजार रुपये से स्कूल के अहाते में कूआ खुदवाया गया । इस स्कूल में प्रारम्भ से 1912 तक पहली कक्षा से चौथी कक्षा तक की पढाई होती रही । जगदीशसिंहजी गहलोत इस स्कूल में सन् 1901 से 1905 तक पढे थे स्कूल के प्रारम्भ होने के समय केवल 50 छात्र थे । तब ही यह भी निर्णय लिया गया कि सूरसागर क्षेत्र में भी इस स्कूल की एक ब्रांच खोली जावें और इसके खर्चे के लिये नकद या धान के रूप में संग्रह किया जावें । इसकी योजना सूरसागर के छोगजी परिहार ने रखी । सन् 1910 से 1912 तक स्कूल को 144 रुपये वार्षिक अनुदान सरकार से मिलता रहा सन् 1913 में यहां आठवीं कक्षा तक की पढाई होने लगी और स्कूल को 1917 में राजपूताना इंग्लिश मिडल परीक्षा बोर्ड अजमेर से सम्बद्ध कर दिया गया । तब से सरकारी अनुदान 90 रुपये कर दिया गया लेकिन 1914 से 115 रुपये मासिक हो गया । सन् 1913 में दो और कमरे बने । उदयपुर के धाभाई अमरसिंहजी ने 1915 से स्कूल के मिडल कक्षा तक हो जाने पर एक कमरा 1200 रुपये देकर बनवाया । सन् 1918 में 5 कमरे और बनाये गये, तब तक स्कूल भवन पर 40,000 रुपये खर्च हो गये थे । इस प्रकार समाज के इस भव्य शिक्षा के मंदिर में प्रबुद्धजनों, भामाशाहों सहित समाज के सभी वर्गों ने अपार सहयोग प्रदान किया । इस स्कूल में अनेकों राजनेताओं, शिक्षाविदों, खिलाड़ियों, उद्योगपतियों एवं अन्य प्रबुद्धजनों ने शिक्षा प्राप्त की । यहीं नहीं इस स्कूल के विद्यार्थियों ने खेलों में भी अनेकों उपलब्धियों को प्राप्त किया है । फुटबॉल में इस स्कूल अनेकों बार विजेता रहीं तथा कालान्तर में जब यहां मैच होते थे तोपांव रखने की जगह भी नहीं मिलती थी । यहां जिला स्तर का सर्वश्रेष्ठ बॉस्केट बॉल मैदान है जहां सैकड़ों खिलाड़ी तैयार हुए है ।

जी देते रहे । दो अन्य महानुभाव जिन्होंने एक-एक हजार रुपये स्कूल के निर्माण हेतु दिये थे वे मघजी धुलजी कच्छवाहा व पुरखाजी पृथ्वीराजजी

आज इस स्कूल में करीब 3500 विद्यार्थी अध्ययनरत है । इस परिसर में विद्यार्थियों के लिए भव्य 5 बिल्डिंग के साथ ही लाईब्रेरी, लैब, ऑडिटोरियम, स्टेज के साथ ही विशाल खेल मैदान भी है । विद्यालय में वर्तमान में सुमेर उ.मा. विद्यालय, श्री सुमेर बालिका, श्री सुमेर लिटिल रोजेज सी. से. स्कूल के साथ ही श्री सुमेर महिला पी. जी. महाविद्यालय परिसर बने हुए है जिसमें उत्कृष्ट शिक्षकों द्वारा शिक्षा दी जा रही है ।

संत श्री चेतनगिरी जी महाराज का चातुर्मास हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

बेंगलुरु, नीलकांत महादेव संतोष आश्रम सोजत सिटी के संत श्री चेतनगिरी जी महाराज का चातुर्मास हर्षोल्लास के हुलीमाउ स्थित माली (सैनी) समाज भवन में सम्पन्न हुआ, समापन कार्यक्रम में संत श्री चेतनगिरी जी महाराज ने अपने उदबोधन में कहा कि श्रीमद्भभागवत से ज्ञान की प्राप्ति होती है, मनुष्य को धर्म के साथ अपने नैतिक दायित्व का निर्वहन भी करना आवश्यक है, परिवार, माता पिता,समाज और राष्ट्र के प्रति मनुष्य का जो दायित्व होता है उसे निभाना भी धर्म है, मनुष्य जीतना परमार्थ करेगा उतना ही उसमें प्रेम और वात्सल्य जागृत होगा ,प्रेम और वात्सल्य से मनुष्य में जीव मात्र के लिये मैत्री भाव पैदा होता है और इससे सब जगह सद्भाव का वातावरण होता है, प्रेम प्रगति और उन्नति में भी अहम भूमिका निभाता है और आपसी विखराव को प्रेम कम करता है, चातुर्मास का महात्म्य का वर्णन करते हुए संत चेतनगिरी जी महाराज ने कहा कि असँख्य पुण्य कर्मों के कारण ही चातुर्मास काल मे कथा,सत्संग श्रवण का सौभाग्य मिलता है !

चातुर्मास समापन कार्यक्रम में महाराज ने सभी भक्तों के जीवन के लिये ईश्वर से मंगल प्रार्थना की गई। समापन कार्यक्रम में विधिवत रूप से पंडित अतुल मिश्रा कानपुर ने पूजा पाठ संपन्न करवाया, सबसे व्यास पीठ पूजन, आचार्य पूजन, श्रीमद्भभागवत पूजन एवं आरती का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ, उसके बाद गाजे बाजे के साथ शानदार वरघोड़ा निकला जिसमे माली (सैनी) समाज वर्तुर गैर मंडल द्वारा गैर नृत्य की प्रस्तुति दी, कार्यक्रम में चेन्नई से आये तुलसीराम देवड़ा,शंकरलाल सुंदेशा, चिकमगलूर के शांतिलाल मंडोवरा, मण्डया के गोपाल सुंदेशा,रमेश सुंदेशा, भागचंद, विजयवाड़ा के धनराज सुंदेशा, विशाराम, सोनाराम गहलोत,अहमदाबाद के नारायणलाल देवड़ा का बतौर अतिथि माली (सैनी) समाज कर्नाटक के अध्यक्ष सज्जनराज सांखला, चातुर्मास आयोजन समिति के अध्यक्ष मोहनलाल गोयल, उदयराम परमार, वरदीचंद देवड़ा, भंवरलाल तंवर, प्रकाश तंवर,नगीन चौहान ने माला एवं साफा पहनाकर अभिनन्दन किया। कार्यक्रम में टीकाराम परमार,रुधाराम सांखला, रामेश्वरलाल सोलंकी, प्रकाश कच्छवाह, रामप्रकाश सांखला, दिनेश चौहान, उत्तम पंवार, नरेश चौहान ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। विभिन धार्मिक अनुष्ठान के बाद चातुर्मास आयोजन समिति ने सभी भागशाहों का अभिनन्दन किया। माली (सैनी) की सभी संस्थाओं, महिला मंडल, युवा मंडल द्वारा प्रदत्त सेवा के लिये चातुर्मास आयोजन समिति ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में तेजाराम चौहान, रमेश कच्छवाह,उदयराम बागड़ी,चेतनप्रकाश चौहान, पवन भाटी, मेघराज बागड़ी, अनिल भाटी, विजय सांखला, गुलाबचंद सुंदेशा,चौधाराम सुंदेशा, लालाराम गहलोत, उकाराम सुंदेशा सहित अन्य विशिष्ट बन्धु उपस्थित रहे। इस अवसर पर महाप्रसादी का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन रूपेश सोलंकी ने सफलता पूर्वक किया।

सैनिक क्षत्रिय माली संस्थान द्वारा हॉस्पिटल नींव का मुहूर्त

नागौर। सैनिक क्षत्रिय माली संस्थान, नागौर द्वारा शिक्षा, सामूहिक विवाह व चिकित्सा के क्षेत्र में अनेक वर्षों से कार्य प्रारंभ किए गए हैं। इसमें सभी समाज बंधुओं, भामाशाहों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इसी क्रम में चिकित्सा के क्षेत्र में माली संस्थान द्वारा नया आयाम सभी के सहयोग से शुभारंभ किया गया। समाज बंधुओं द्वारा एक संपूर्ण सुविधा युक्तचिकित्सालय का निर्माण प्रस्तावित है जिसका नींव का मुहूर्त सोमवार 29 अगस्त को हुआ।

समाज के अध्यक्ष रामस्वरूप पंवार ने बताया कि सभी गणमान्य समाज बंधुओं की उपस्थिति में यह कार्यक्रम हुआ। हैदराबाद प्रवासी व ताऊसर निवासी तथा माली समाज हैदराबाद के पूर्व अध्यक्ष बलदेव राम भाटी के मुख्य आतिथ्य में विधि विधान से नींव का मुहूर्त किया गया । इस अवसर पर नागौर अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक के चेयरमैन नरेंद्र कच्छावा, पूर्व उप प्रधान आईदान राम भाटी, जगदीश सांखला, डॉ शंकर लाल परिहार, मोहब्बत राम पंवार, सुरेश सोलंकी, रामकुमार भाटी, अमरपुरा संस्थान के कोषाध्यक्ष कमल भाटी, माली समाज संस्थान के कोषाध्यक्ष टीकम चंद कच्छावा भी उपस्थित थे। यह भूमि खुडखुडा के गहलोत परिवार के चुन्नी देवी धर्मपत्नी रामनाथ व उनके पुत्र हरीराम गहलोत की स्मृति में श्रीमती कमला देवी गहलोत के द्वारा समाज को समर्पित की गई है।

माली समाज द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह संपन्न

समाज के विजयी जनप्रतिनिधियों का भी हुआ सम्मान - अभिनंदन

उज्जैन। श्री गुजराती रामी माली समाज म. प्र. के तत्वावधान में स्थानीय नरसिंह घाट धर्मशाला में वर्ष 2022 की कक्षा 10वीं एवं 12वीं के 85 प्रतिशत से अधिक अंक आने पर 38 विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। कक्षा 12वीं की टॉपर प्रथम प्रणवी चौहान को संख्या 97.5 प्रतिशत, अर्पण चौहान को 92. 8 प्रतिशत, एवं नंदिनी चावड़ा को 92.2: अंक मिलने पर प्रथम द्वितीय व तृतीय पुरस्कार प्रदान किए गए।

जानकारी देते हुए गजानंद रामी ने बताया कि बच्चों के लिए समाज द्वारा प्रशस्ति पत्र दिए गए, दिनेश परमार द्वारा मोमेंटो ,श्री सुरेश बारोड द्वारा पेन, श्री गजानंद रामी द्वारा सावित्री देवी फुले की फोटो, प्रदेश अध्यक्ष नारायण यादव द्वारा नगद पैसे , इन्दोर के मालवी लेखक नंदकिशोर चौहान द्वारा मालवी पुस्तक एवं अलग-अलग समाज कार्यकर्ताओं द्वारा नगद पैसे एवं सामग्री समाज की प्रतिभाओं को देकर सम्मानित कर प्रतिभावान बच्चों की हौसला अफजाई की गई। इसी तरह कक्षा 10 में प्रथम दीपेश वर्मा को 96.2 प्रतिशत, दीपक चौहान द्वितीय 96 प्रतिशत, तृतीय रिया डोडिया को 95.2 अंक प्राप्त होने पर पुरस्कृत किया गया।

साथ ही स्थानीय शासन के चुनाव में विजयी हुए 13 पार्षदों को ,ग्राम पंचायत चुनाव में 6 सरपंचों को, 3 जनपद प्रतिनिधियों को, एवं 4 उप-सरपंचों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे गिरधारी लाल गौड़ । अतिथि थे गोपाल बारोड, आनंदी लाल सोलंकी, कैलाश वाघेला, यादव लाल चौहान, मांगीलाल मोहरिया, कैलाश वर्मा, विष्णु हारोड, शंकर लाल चौहान । एवं अध्यक्षता की प्रदेश अध्यक्ष नारायण यादव ने ।

अतिथियों ने सर्वप्रथम भगवान श्री राम एवं पित्र पुरुष महात्मा फूले, सावित्री देवी फुले के चित्र पर माल्यार्पण- दीप प्रज्वलन किया, व राम स्तुति का गायन सामूहिक रूप से किया गया। कार्यक्रम का संचालन विनोद मकवाना एवं गजानंद रामी ने किया व आभार प्रेम नारायण परमार छोटूसर ने माना।

खेल विभाग से उप-निदेशक पद से सेवानिवृत है अशोक सैनी

सेवानिवृति के बाद लोगों को फिटनेस के गुर सिखा रहे गूरूजी

फरीदाबाद। देशभर में 5 सितंबर को शिक्षिक दिवस मनाया जाता है। शहर में एक शिक्षक ऐसे भी हैं, जो पद से भले ही सेवानिवृत्ति हो गए हों लेकिन लोगों को सिखाने का जज्बा कम नहीं हुआ है। खेल विभाग से उप निदेशक पद से सेवानिवृत्त अशोक सैनी इन दिनों लोगों को फिट रखने की मुहिम चला रहे हैं। इसके लिए वे रोज सुबह जल्दी उठकर घर से कई किलोमीटर दूर बुजुर्गों को व्यायाम कराने जाते हैं। शाम को घर के पास ही स्टेडियम में खिलाड़ियों को अभ्यास कराते हैं। अशोक सैनी एक अकेडमी के लिए भी वक्त निकालते है। जिसमें वह खिलाड़ियों की नर्सरी पौध तैयार कर रहे हैं। अशोक सैनी ने बताया कि उनका ज्यादातर कार्यकाल फरीदाबाद में ही रहा। साल 1994 में वह जिम्नास्टिक कोच के रूप में यहां आए थे। इसके बाद पलवल, गुरुग्राम आदि जिलों में भी काम किया। साल 2017 में वह डिप्टी डायरेक्टर पद से रिटायर हो गए। इस दौरान उन्होंने 150 से ज्यादा राष्ट्रीय स्तर के और दो अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार किए।

कोरोना को कसरत से हराया

अशोक सैनी बताते हैं कि कोरोना की पहली लहर में उन्हें कोविड हो गया था। दवाओं के साथ-साथ उन्होंने अपनी कसरत को भी चालू रखा। कमजोरी आने पर भी उन्होंने हल्का व्यायाम करना नहीं छोड़ा। धीरे-धीरे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती गई और वह ठीक हो गए। सेना या पुलिस की तैयारी कर रहे युवाओं व खिलाड़ियों के बीच वह गुरू जी के नाम से मशहूर हैं। वह कई बार अपने साथ भीगे चने या कुछ बादाम भी ले जाते हैं, जिन्हें खिलाड़ियों में बांटते हैं। उनका मानना है कि युवा जितना ज्यादा ज़रीर पर ध्यान देगा, उतना ही नशे या आपराधिक गतिविधियों से दूर रहेगा।

माली समाज का युवक–युवती परिचय सम्मेलन आयोजित

युवक–युवतियों ने बेबाकी से दिया परिचय

कोटा । कोटा हाड़ौती माली उत्थान समिति के तत्वावधान में माली समाज का युवक–युवती परिचय सम्मेलन महावीर नगर स्थित माली समाज छात्रावास में हुआ। समिति अध्यक्ष हरिप्रकाश सैनी ने बताया कि परिचय सम्मेलन में 713 युवक–युवतियों का पंजीयन हुआ। डॉक्टर, इंजीनियर व उच्च शिक्षा प्राप्त युवक–युवतियों ने बेबाकी से परिचय दिया। इसके साथ ही संपूर्ण विवरण युक्त पत्रिका का विमोचन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत, पूर्व कृषि मंत्री प्रभुलाल सैनी, पूर्व युवा बोर्ड चेयरमैन भूपेंद्र सैनी ने किया।

इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि कृषि में क्रांति लाने वाल हमेशा माली समाज रहा है। माली समाज की वजह से कृषि में नवाचार आते हैं। सभी अतिथियों को माला साफा, चिन्ह भेंट किया। इसके अलावा बद्री गोचर, बारां से बलराम सुमन, कई पदाधिकारियों व समाज सेवकों का भी सम्मान किया। महामंत्री देवकीनंदन सुमन ने बताया कि परिचय सम्मेलन के माध्यम से अनेकों रिश्ते तय हुए। इस मौके पर कोषाध्यक्ष भंवरलाल सैनी, बाबूलाल सुमन, संरक्षक जगदीश सैनी, रिटायर्ड नायब तहसीलदार जगदीश गहलोत आदि मौजूद रहे।

महिला छात्रावास के लिए 10 लाख की घोषणा

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि समाज जब कुरीतियों और आडम्बरों में जकड़ा हुआ था, तब महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्री बाई फुले ने प्रगति की सही राह दिखाई थी। आज जब हम विकसित भारत की संकल्पना के साथ आगे बढ़ रहे हैं तो इसे साकार करने के लिए माली समाज ज्योतिबा फुले की परम्परा को आगे बढ़ाकर नेतृत्व करे। उन्होंने समाज के महिला छात्रावास के लिए 10 लाख रुपए देने की भी घोषणा की।

सुरेश सैनी का नाम हार्वर्ड बुक ऑफ रिकार्डस में शामिल

137 बार रक्तदान, 94 बार प्लेटलेट्स दान

137 बार रक्तदान और 94 बार प्लेटलेट दान करने वाले इन्दौ निवासी कैप्टन सुरेश सैनी का नाम हार्वर्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स लंदन में दर्ज हुआ है। रिकॉर्ड बुक द्वारा भेजा गया प्रमाण-पत्र और मेडल पहुंचते ही सुरेश सैनी के घर व पड़ोस में खुशी की लहर दौड़ गई। इससे पहले भी वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स सहित अनेक रिकॉर्ड बुक में सुरेश सैनी अपना नाम दर्ज करवा चुके हैं।

सैनी ने बताया कि हार्वर्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में उनका नाम सबसे अधिक बार रक्तदान व प्लेटलेट्स दान करने के लिए शुक्रवार दर्ज हुआ है। यह प्रमाण-पत्र व मेडल उनके लिए गर्व की बात है।

सुरेश सैनी ने बताया कि वे खुद रक्त दान करने और अन्य लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करने का काम सदा करते रहेंगे। हमें समाज के ऐसे कर्मवीर पर गर्व है जो सैकड़ों बार रक्तदान कर अनगिनत जिंदगियों को बचा चुके है।

बेटे के पहले जन्मदिन पर पिता ने खरीद ली चांद पर जमीन

पूरे हरियाणा में वरूण सैनी के इस अनौखे तोहफे की चर्चाएं

टोहाना। बच्चे के पहले जन्मदिन पर एक पिता ने चांद पर जमीन का एक टुकड़ा खरीद लिया। बीती 28 अगस्त को ही उनका बेटा एक साल का हुआ है। अमेरिका से इंटरनेशनल लूनर लैंड ऑथरिटी की तरफ से लूनर प्रोपर्टी (चांद पर जमीन) का रजिस्टर्ड क्लेम डीड भी आ गया है।

पहले हम कहा जाता था कि अपने प्यार के लिए चांद का टुकड़ा ले आएंगे। टोहाना के एक व्यापारी वरूण सैनी ने ऐसा कर दिखाया है। लेकिन उन्होंने प्यार नहीं बल्कि अपने बच्चे के पहले जन्मदिन पर उसे गिफ्ट करने के लिए वास्तव में ही चांद पर जमीन का एक टुकड़ा खरीद लिया है। बीती 28 अगस्त को ही उनका बेटा लव सैनी एक साल का हुआ है। बाकायदा उसके पास अमेरिका से इंटरनेशनल लूनर लैंड ऑथरिटी की तरफ से लूनर प्रोपर्टी (चांद पर जमीन) का रजिस्टर्ड क्लेम डीड भी आ गया है। फतेहाबाद जिले का ये पहला मामला है जिसमें किसी व्यक्तिने चांद पर जमीन खरीद ली है ।

टोहाना के वरूण सैनी ने बताया कि अपने बेटे के लिए एक बेहतरीन उपहार उसके जन्मदिन पर देना चाहता था। इस बीच कहीं पढ़ा था कि चांद पर जमीन का टुकड़ा खरीदा जा सकता है। थोड़ी और डिटेल पता की तो मालूम हुआ कि दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत, शाहरुख खान सरीखे कई अभिनेताओं व दिग्गज लोगों ने चांद पर जमीन का टुकड़ा खरीदा हुआ है। फिर इसके लिए प्रोसेस पता शुरू किया और धीरे-धीरे सारा काम हो गया।

डेढ़ माह का प्रोसेस लगा, नक्शा मिला

वरुण ने बताया कि उसने अमेरिका में स्थित इंटरनेशनल लूनर लैंड ऑथरिटी को चांद पर जमीन के लिए अप्लाई किया था। करीब डेढ़ माह के प्रोसेस के बाद आखिरकार अब उसे रजिस्ट्रेशन मिल गई है। जिसमें उसकी जमीन का नक्शा भी मिला है। करीब 2 एकड़ यह जमीन है। इस पर आने वाले खर्च को लेकर पूछने पर उन्होंने सिर्फ इतना कहा कि जमीन के मुकाबले चांद पर सस्ती है जमीन। इस पर क्या खर्चा आया, यह वे नहीं बताना चाहते, क्योंकि उनके बेटे के लिए यह अमूल्य गिफ्ट है।

बेटे को बड़ा होने पर चांद दिखाने के लिए खरीदेंगे टेलीस्कॉप

टोहाना निवासी वरूण सैनी ने चांद का टुकड़ा खरीदने के बाद सबसे पहले अपनी पत्नी पूनम सैनी को बताया। वो भी एक बार अचंभित हो गई और अब वो भी कहती हैं कि चलो मेरे लिए ना सही, बेटे के लिए ही सही, वरूण ने चांद का टुकड़ा तो ला दिया। हंसते हुए वरूण बताते हैं कि यह जमीन चांद पर लेक आफ हैपिनेस 1872 नॉर्थ लैटिट्यूड 502 इस्ट लांगीट्यूड ट्रैक 55 पार्सल 10071 में स्थित है। उन्होंने बताया कि अब अपनी प्रोपर्टी पर नजर रखने के लिए वे एक टेलीस्कॉप भी खरीदेंगे। बेटा जब थोड़ा बड़ा हो जाएगा तो इसी टेलीस्काप से उसे चांद दिखाया जाएगा।

लगभग 2 माह की प्रक्रिया के बाद मिली चांद पर जगह

बच्चों के जन्मदिन पर लोग अलग-अलग तरह के गिफ्ट अपने बच्चों को देते हैं। फतेहाबाद जिले के टोहाना में एक अजीब मामला सामने आया है, जिसमें एक शख्स ने अपने बेटे के जन्मदिन पर तोहफे के रुप में चांद पर जमीन खरीदी है। सुनकर आपको जरूर अटपटा लगा होगा, लेकिन ये सच्चाई है। टोहाना के रहने वाले वरुण ने बताया कि उनके बेटे लव सैनी का पहला जन्मदिन था। इस दौरान उन्होंने अपने बेटे को तोहफे के रुप में कुछ अलग चीज देने की सूची। वरुण सैनी ने बताया कि काफी सोचने के बाद उसने फैसला लिया कि वह अपने बेटे के जन्मदिन पर चांद पर जमीन खरीद कर देगा। इसी के चलते उसने पूरी प्रक्रिया को फॉलो करते हुए इंटरनेशनल लुनर लैंड अथॉरिटी से संपर्क किया। लगभग 2

चांद पर ली जमीन के कागज दिखाता युवक

इंटरनेशनल लुनर लैंड अथॉरिटी से किया संपर्क

विशेष सूचना

हर वर्ष की भांति माली सैनी संदेश पत्रिका द्वारा नव वर्ष- 2023 बहुरंगीय कलैण्डर प्रकाशित किया जा रहा है। आप सभी अपनी प्रति बुक कराने के लिए संपर्क करें : 9414475464

असंभव कुछ भी नहीं, जहां चाह वहां राह कर बताया गांव के जितेन्द्र कुमार सैनी ने

गाय के दूध–गोबर से खेती, किसान बना करोड़पति, 2 करोड़ तक कमाए

पेस्टीसाइड–यूरिया का इस्तेमाल नहीं, बंपर उत्पादन

अलवर। दो कमरों के मकान में गुजर बसर करने वाले युवा किसान ने खेती में नया प्रयोग कर अपनी किस्मत और वतन दोनों को बदल दिया। शहर से 10 किलोमीटर दूर छोटा सा गांव है गुजुकी। गांव के किसान जितेंद्र कुमार सैनी (40) का पता अब कोई भी बता सकता है। उसके खेत में पॉली हाउस है और वह गाय के दूध से खेतों की सिंचाई करता है।

सुनने में अजीब लग सकता है। पॉली हाउस जैसी आधुनिक खेती की सोच रखने वाले जितेंद्र खाद के मामले में आधुनिक नहीं हैं। वे खेत में रासायनिक दवाओं, पेस्टीसाइड्स या उर्वरकों का इस्तेमाल नहीं करते। बल्कि खाद बनाने के लिए उन्होंने 16 गायें रखी हैं। इन गायों के दूध, मूत्र, दही-छाछ, घी को मिलाकर खाद बनाई जाती है और खेती में इस्तेमाल किया जाता है। दावा है कि ऐसा करने से उनकी जमीन की उर्वरता काफी बढ़ गई है और उत्पादन लगभग दो गुना हो गया है।

आधुनिक खेती करने वाले किसान जितेंद्र कुमार सैनी एक तरफ पॉली हाउस लगाकर नई तकनीक का प्रयोग कर रहे हैं। दूसरी तरफ रासायनिक खाद व दवाओं की जगह गाय के गोबर और दूध से खाद तैयार कर इस्तेमाल कर हैं।

तो म्हारे देश की खेती की इस कड़ी में जानिए–अलवर के किसान जितेंद्र कुमार सैनी के बारे में

2012 तक दो कमरे, अब हर महीने 2 लाख कमाई गुजुकी गांव में जितेंद्र का घर है। घर में 15 मेंबर। सभी खेती करते हैं। 2010 तक यह परिवार पारंपरिक खेती करता था। लंबा-चौड़ा परिवार 2 कमरों के मकान में रहता था। तीन बीघा जमीन में मुश्किल से परिवार का गुजारा होता था। सालभर कड़ी मेहनत करने के बाद मुश्किल से 1 लाख रुपए की बचत होती थी। इसके बाद जितेंद्र ने खेत में पॉली हाउस लगाने का विचार किया। खेती में नए प्रयोगों पर किसानों को सब्सिडी मिलती है। 2012 में जितेंद्र ने 3 बीघा के खेत में पॉली हाउस लगा लिया।

10 साल में अब जितेंद्र का परिवार खुशहाल हो गया है। अब हर महीने जितेंद्र की कमाई 2 लाख रुपए है। जितेंद्र ने अपने 3 बीघा के खेत पर 2012 में पॉली हाउस लगाया था। 10 साल में जितेंद्र को पॉली हाउस से 3 करोड़ रुपए का कारोबार कर चुके हैं। शुरुआती 5 साल में यह कारोबार 1 करोड़ का था। बीते 5 साल में यह बढ़कर 2 करोड़ का हो गया। जितेंद्र समेत 3 भाई साझे में रहते हैं। माता-पिता पास में हैं। जितेंद्र 12वीं तक पढ़े हैं। दूसरा भाई महेंद्र भी 12वीं तक ही पढ़ा है। तीसरा भाई विजेंद्र ग्रेजुएट है। तीनों भाई मिलकर खेती करते हैं।

दिल्ली ICAR के विजिट ने बदल दी जितेंद्र की जिंदगी

जितेंद्र ने बताया कि 2010 में कृषि विभाग की ओर से इलाके के किसानों का एक दल भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली (ICAR) गया था। जितेंद्र भी इस दल में शामिल था। वहां पॉली हाउस कृषि के बारे में बताया गया। नई तकनीक की

जानकारी दी गई। कृषि वैज्ञानिक डॉ नीलम पटेल ने बहुत सहयोग किया। वे कई बार जितेंद्र के घर आई और नई खेती के गुर बताए। तीन हाउस के बगल में ही वाटर हार्वेस्टिंग व सोलर सिस्टम लगा है। जितेंद्र ने बताया कि उन्होंने अपने खेत में पहले सिंचाई के लिए ड्रिप सिस्टम लगाया। पॉली हाउस के लिए पीएनबी बैंक से लोन मिल गया जिस पर सरकार ने 75 फीसदी सब्सिडी दी। साल 2012 में 20 लाख रुपए का लोन लेकर पॉली हाउस लगाया तो अच्छी कमाई होने लगी। इसके बाद गोबर गैस प्लांट के बारे में जानकारी ली।

जितेंद्र लिक्विड दवा के तौर पर कीटनाशक का प्रयोग करने से बचते हैं। इसके बजाय उन्होंने गाय के दूध और हल्दी से हैल्दी स्प्रे तैयार किया है, जिसके छिड़काव से फसल में कीड़े नहीं लगते।

50 हजार में गोबर गैस प्लांट, 10 साल से सिलेंडर की छुट्टी

जितेंद्र ने बताया कि केवल 50 हजार रुपए इन्वेस्ट कर गोबर गैस का प्लांट लगा लिया। खेती के नवाचार की जानकारी जुटाता रहा। गोबर गैस प्लांट का आइडिया कृषि वैज्ञानिक डॉ नीलम पटेल व डॉ डबास से मिला। उन्होंने गोबर गैस प्लांट लगाने में मदद की। जितेंद्र इसी प्रोजेक्ट को धीरे-धीरे मल्टीपरपज करते गए। गोबर गैस का इस्तेमाल रसोई में होने लगा। प्लांट का अवशेष खेती में खाद की तरह काम आने लगा। अब यहां उत्पादन बढ़ गया। पहले 3 बीघा में 70 टन पैदा होती थी। अब 115 टन पैदा हो रही फसल।

गोबर गैस के प्लांट को लेकर जितेंद्र के परिवार की महिलाएं खुश हैं। उनका कहना है कि रसोई में 10 साल से सिलेंडर नहीं आया। गोबर गैस प्लांट की गैस

पौधे की ग्रोथ के लिए 'दूध-हल्दी स्प्रे'

दूध, हल्दी, छाछ, काला गुड़ मिलाकर स्प्रे बनाते हैं। फसल पर स्प्रे करते हैं। पौधे की ग्रोथ का दावा। गाय के गोबर, छाछ, दही, दूध के प्रयोग से उत्पादन 70 टन से बढ़कर 115 टन होने का दावा।

से चूल्हा जल रहा है। रसोई में सारा काम इसी गैस से हो रहा है। इस गैस में आग लगने का डर भी नहीं है। चूल्हे की लौ भी तेज रहती है।

2015 से गाय के गोबर, दूध, छाछ से सिंचाई-दवाई-खाद

गोबर के प्रयोग से प्रोडक्शन और जमीन की उर्वरता बढ़ी तो 2015 में जितेंद्र ने गिर नस्ल की गायें खरीदीं। उनके गोबर की स्लरी बनाकर खेत में डालने लगा। रासायनिक दवाओं, यूरिया का इस्तेमाल बिल्कुल कम कर दिया। वर्तमान में उनके पास 16 गायें हैं। जमीन की उर्वरता के लिए सूक्ष्मजीवों का मिट्टी में होना जरूरी है। इसके लिए जितेंद्र ने जीवामृत तैयार किया है। जो गायों के दूध, गोमूत्र, गोबर, दही, छाछ और घी सब का इस्तेमाल जितेंद्र खाद और स्प्रे बनाने में ही कर रहे हैं।

जितेंद्र कहते हैं कि 6-7 साल से इस तरह के अलग खाद और स्प्रे का इस्तेमाल कर रहा हूं और प्रोडक्शन बहुत अच्छा मिल रहा है। हम तीनों भाई मिलकर जैविक खेती कर रहे हैं। रसायनों का बिल्कुल इस्तेमाल नहीं कर रहे। बड़ी बात ये है कि इससे पैदावार बढ़ी, खर्चे कम हुए और इनकम भी बढ़ी।

ये इसी ग्रीन हाउस का खीरा है। इसके खाने का स्वाद भी अलग है।

अब जितेंद्र गाय के गोबर में दूध, छाछ, घी के अलावा हल्दी, गुड़ व मिट्टी मिलाकर उसने पौधे में देसी छिड़काव करते हैं। इसके परिणाम चौंकाने वाले हैं। उपज का प्रोडक्शन 70 टन से बढ़कर 110 टन हो गया है। जितेंद्र का कहना है कि रासायनिक दवाओं और यूरिया पर साल में 2 से 3 लाख रुपए तक खर्च करते थे। अब यह खर्च जीरो हो गया है। पॉली हाउस में 3 बीघा के खेत में 35 लाख रुपए की सब्जी सालाना बेचते हैं। करीब-करीब 10 लाख खर्च होता है। साल के 25 लाख बच रहे हैं।

जितेंद्र ने बताया कि वर्तमान में उनकी 16 गायों में से 10 के गोबर और गोमूत्र का इस्तेमाल उपज में खाद के तौर पर कर रहे हैं। 6 गायों का दूध, छाछ, घी पूरी तरह खेती के काम आ रहा है। हाल में अलवर कलेक्टर डॉ जितेंद्र कुमार सोनी ने भी किसान के पॉली हाउस पर विजिट किया। खेती का पैटर्न इतना रास आया कि कलेक्टर ने आधुनिक गोशाला डवलप करने के लिए 1 लाख रुपए की आर्थिक मदद की।

5 साल में 2 करोड़ रुपए की खेती की

उपज पर दूध से बने पंचगव्य का छिड़काव करते जितेंद्र। उनके मुताबिक पंचगव्य के इस्तेमाल से उनकी उपज का प्रोडक्शन बढ़ा है।

जितेंद्र ने पॉली हाउस से 2012 से अब तक 10 साल में 3 करोड़ की खेती की है। शुरू के 5 साल 2012 से 2016 तक 1 करोड़ रुपए का कारोबार हुआ। फिर 2017 के बाद 2 करोड़ रुपए तक का कारोबार कर चुके हैं। 2017 के बाद से लगातार गाय के गोबर, दूध, छाछ व घी से सिंचाई, खाद और दवा छिड़काव कर रहे हैं।

फार्म पॉण्ड, वाटर हार्वेस्टिंग, ड्रिप सिस्टम यानी ग्रीन एग्रीकल्चर

जितेंद्र ने पॉली हाउस के पास फार्म पॉण्ड भी बना रखा है। वाटर हार्वेस्टिंग के कारण बारिश का पानी इस पॉण्ड में जमा होता है। पॉली हाउस का यानी भी बारिश में इसमें आता है। ड्रिप सिस्टम से सिंचाई करते हैं। इसके साथ ही सोलर सिस्टम भी लगवाया है। खेत को उपजाऊ बनाने के लिए जितेंद्र अमृत पानी का इस्तेमाल करते हैं। ग्रीन एग्रीकल्चर की बात करते हुए जितेंद्र ने बताया कि आम तौर पर माना जाता है कि पॉली हाउस में जमीन की उर्वरता 5 साल में कम हो जाती है। जगह बदलनी पड़ती है। लेकिन जब से गाय के गोबर और अन्य उत्पादों का प्रयोग खाद के रूप में किया है, तब से उत्पादन भी बढ़ा और जमीन की उर्वरता भी। जितेंद्र का कहना है कि कई किसान 50 बीघा में परंपरागत खेती करके जितना कमाते हैं, उतनी कमाई यह 3 बीघा जमीन दे रही है।

खेत को उपजाऊ बनाने के लिए 'अमृतपानी'

200 लीटर पानी, 64 लीटर गोमूत्र, 64 किलो गोबट, 2 किलो काला गुड़, बरगद के नीचे की। किलो मिट्टी को मिलाते हैं। 6 से 8 दिन में पेस्ट तैयार होता है। खेत की मिट्टी की उर्वरता बढ़ने का दावा।

मुक्त कविता-चाँद का टुकड़ा

'चंदा' तू किधर गया ?
न जाने कहाँ खो गया वह प्यारा चांद का टुकड़ा,
जिसे मैं दिन और रात अपलक निहारता रहता था।
जिसके बिना मुझे नहीं मिलता था सुकून एक पल का।
आज मुझे फीका-फीका सा लग रहा है चांद भी।
और धीरे-धीरे घट रहा है अमावस की तरह
और लगता है कि लौटकर कभी नहीं आएगा
यह ये चांद तो 15 दिन बाद दिखेगा पूर्णिमा को
लेकिन न जाने मेरा वो चाँद कब आएगा
मुझे सुकून देने के लिए।
...आज भी उम्मीद है उस चाँद के आने की।
अबकी जब आएगा वह मैं उसे कर लूंगा समाहित
स्वयं में, कभी भी न फिर पृथक होने के लिए।

- कृष्ण कुमार सैनी
दौसा, राजस्थान

माली सैनी संदेश के आजीवन सदस्यता सूची

श्री रामचंद्र गोविंदराम सोलंकी, जोधपुर
श्री नरेश स्व. श्री बलदेवसिंह गहलोत,जोधपुर
श्री प्रभाकर टाक (पूर्वअध्यक्ष नगर पालिका), पीपाड़
श्री बाबूलाल(पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका), पीपाड़
श्री बंशीलाल मरोठिया, पीपाड़
श्री बाबूलाल पुत्र श्री दयाराम गहलोत, जोधपुर
श्री सोहनलाल पुत्र श्री हापुराम देवड़ा, मथानियां
श्री अमृतलाल पुत्र श्री ब्रह्मसिंह परिहार, जोधपुर
श्री भोमाराम पंवार(पूर्व उपा., नगरपालिका, बालोतरा
श्री रमेशकुमार पुत्र श्री शंकरलाल गहलोत, बालोतरा
श्री लक्ष्मीचंद पुत्र श्री मोहनलाल सुंदेशा, बालोतरा
श्री वासुदेव पुत्र श्री बाबूलाल गहलोत, बालोतरा
श्री मेहश पुत्र श्री भगवानदास चौहान, बालोतरा
श्री हेमाराम पुत्र श्री रूपाराम पंवार, बालोतरा
श्री छगनलाल पुत्र श्री मिश्रीलाल गहलोत, बालोतरा
श्री सोनाराम पुत्र श्री देवाराम सुंदेशा, बालोतरा
श्री सुजाराम पुत्र श्री पुनम सुंदेशा, बालोतरा
श्री नरेन्द्रकुमार पुत्र श्री अणदाराम पंवार, बालोतरा
श्री शंकरलाल पुत्र श्री मिश्रीमल परिहार, बालोतरा
श्री घेवरचंद पुत्र श्री भोमजी पंवार, बालोतरा
श्री रामकरण पुत्र श्री किशनाराम माली, बालोतरा
श्री रतन पुत्र श्री देवजी परिहार, बालोतरा
श्री मोहनलाल पुत्र श्री रतनाजी परमार, बालोतरा
श्री कैलाश काबली(अध्यक्ष माली समाज), पाली
श्री घीसाराम देवड़ा(मं. महामंत्री, भाजपा), भोपालगढ़
श्री शेषाराम पुत्र श्री मांगीलाल टाक, पीपाड़
श्री बाबूलाल माली,(पूर्व सरपंच, महिलावास) सिवाणा
श्री रमेशकुमार सांखला, सिवाणा
श्री श्रवणलाल कच्छवाहा, लवेरा बावड़ी
संत श्री हजारीलाल गहलोत, जैतारण
श्री मदनलाल गहलोत, जैतारण
श्री राजूराम सोलंकी, जालोर
श्री जितेन्द्र जालोरी, जालोर
श्री देविन लच्छाजी परिहार, डीसा
श्री हितेशभाई मोहनभाई पंवार, डीसा
श्री प्रकाश भाई नाथालाल सोलंकी, डीसा
श्री मगनलाल गीगाजी पंवार, डीसा
श्री कांतिभाई गलबाराम सुंदेशा, डीसा
श्री नवीनचंद दलाजी गहलोत, डीसा
श्री शिवाजी सोनाजी परमार, डीसा
श्री पोपटलाल चमनाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री भोगीलाल डायाभाई परिहार, डीसा
श्री मुकेश ईश्वरलाल देवड़ा, डीसा
श्री सुखदेव वक्ताजी गहलोत, डीसा
श्री दरगाजी अमराजी सोलंकी, डीसा
श्री भरतकुमार परखाजी सोलंकी, डीसा
श्री जगदीश कुमार रमाजी सोलंकी, डीसा
श्री किशोरकमुार सांखला, डीसा
श्री बाबूलाल गीगाजी टाक, डीसा
श्री देवचंद, रगाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सतीशकुमार लक्ष्मीचंद सांखला, डीसा
श्री गणपतलाल नारायण सोलंकी, डीसा
श्री रमेशकुमार भूराजी परमार, डीसा
श्री वीराजी चेलाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सोमाजी रूपाजी कच्छवाहा, डीसा

श्री शंकरलाल नारायणजी सोलंकी, डीसा
श्री फुलाजी परखाजी सोलंकी, डीसा
श्री अशोककुमार पुनमाजी सुंदेशा, डीसा
श्री देवाराम पुत्र श्री मांगीलाल परिहार, जोधपुर
श्री संपतसिंह पुत्र श्री बींजाराम गहलोत, जोधपुर
श्री भगवानराम पुत्र श्री अचलुराम गहलोत, जोधपुर
श्री जितेन्द पुत्र श्री प्रेमसिंह कच्छाहा, जोधपुर
श्री सीताराम पुत्र श्री रावतमल सैनी, सरदारशहर
श्री जीवनसिंह पुत्र श्री शिवराज सोलंकी, जोधपुर
श्री घेवरजी पुत्र श्री भोमजी, सर्वोदय सोसायटी, जोधपुर
श्री जयनाराण गहलोत, चौपासनी चारणान, मथानियां
श्री अशोककुमार, श्री लक्ष्मीनारायण सोलंकी, जोधपुर
श्री मोहनलाल, श्री पुरखाराम परिहार, चौखा, जोधपुर
श्री प्रेमकिशन पुत्र श्री भंवरलाल सोलंकी, चौखा
श्री हरीसिंह पुत्र श्री चुन्नीलाल गहलोत, जैसलमेर
श्री विजय परमार, तुषार मोटर्स एण्ड कंपनी, भीनमाल
श्री भंवरलाल पुत्र श्री किस्तुर सोलंकी, भीनमाल
श्री शिवलाल परमार, भीनमाल
श्री ओमप्रकाश परिहार, राजस्थान फार्मेसिया, जोधपुर
श्री प्रेमप्रकाश सैनी, मिलन रेस्टोरेण्ट, सीकर
श्री लक्ष्मीकांत पुत्र श्री रामलाल भाटी, सोजतरोड़
श्री रामअकेला, पुत्र श्री गोकुलराम सैनी, पीपाड़ शहर
श्री नरेश देवड़ा, देवड़ा मोटर्स, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह सांखला, सांखला सिमेंट, जोधपुर
श्री कस्तुरराम पुत्र श्री हिमाजी सोलंकी, भीनमल
श्री सांवरराम परमार, भीनमाल
श्री भारताराम परमार, भीनमाल
श्री विजय पुत्र श्री गुमानराम परमार, भीनमाल
श्री डी. डी. पुत्र श्री भंवरलाल भाटी, जोधपुर
श्री ब्रजमोहन पुत्र स्व. श्री रामस्वरूप परिहार, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह पुत्र श्री किशोरलाल परिहार, जोधपुर
श्री जयसिंह पुत्र श्री ओमदत्त गहलोत, जोधपुर
श्री मनोहरलाल पुत्र श्री मदनलाल गहलोत, जोधपुर
श्री समुन्द्रसिंह पुत्र श्री नारायणसिंह परिहार, जोधपुर
श्री हिम्मतसिंह पुत्र श्री हरीसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री हनुमानसिंह पुत्र श्री बालूराम सैनी, आदमपुरा
श्री अशोक सांखला, पीपाड़
श्री अशोक पुत्र श्री सोहन सांखला, जोधपुर
श्री नटवरलाल माली, जैसलमेर
श्री दिलीप तंवर, जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह पंवार, जोधपुर
श्री संपतसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री जगदीश सोलंकी, जोधपुर
श्री मुकेश सोलंकी, जोधपुर
श्री श्यामलाल गहलोत, जोधपुर
श्री अमित पंवार, जोधपुर
श्री राकेशकुमार सांखला, जोधपुर
श्री रविन्द्र गहलोत, जोधपुर
श्री रणजीतसिंह भाटी, जोधपुर
श्री तुलसीराम कच्छवाहा, जोधपुर
सैनी उच्च माध्यमिक विद्यालय, भोपालगढ़
माली श्री मोहनलाल परमार, बालोतरा
श्री अरविंद सोलंकी, जोधपुर
श्री सुनील गहलोत, जोधपुर
श्री कुंदनकुमार पंवार, जोधपुर

श्री मनीष गहलोत, जोधपुर
श्री योगेश भाटी, अजमेर
श्री रामनिवास कच्छवाहा, बिलाड़ा
श्री प्रकाशचंद सांखला, ब्यावर
श्री झूमरलाल गहलोत, जोधपुर
श्री गुमानसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री अशोक सोलंकी, जोधपुर
श्री महावीर सिंह भाटी, जोधपुर
श्री जयप्रकाश कच्छवाहा, जोधपुर
श्री अशोक टाक, जोधपुर
श्री नरेन्द्रसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री मदनलाल गहलोत, सालावास, जोधपुर
श्री नारायणसिंह कुशवाहा, मध्य प्रदेश
श्री भंवरलाल देवड़ा, बावड़ी, जोधपुर
श्री जवाराराम परमार, रतनपुरा (जालोर)
श्री रूड़ाराम परमार, सांचौर
श्री जगदीश सोलंकी, सांचौर
श्री कपूरचंद गहलोत, मुबंई
श्री टीकमचंद प्रभुराम परिहार, मथानिया
श्री अरूण गहलोत, गहलोत क्लासेज, जोधपुर
श्री विमलेश नेनाराम गहलोत, मेड़तासिटी (नागौर)
श्री कैलाश ऊँकारराम कच्छवाहा, जोधपुर
माली (सैनी) सेवा संस्थान सब्जी मण्डी, पीपाड़
श्री मदनलाल सांखला, बालरंवा
श्री भीकाराम खेताराम देवड़ा, तिंवरी
श्री गणपतलाल सांखला, तिंवरी
श्री रामेश्वरलाल गहलोत, तिवंरी
श्री देवाराम हिरालाल माली, मुंबई,
श्री घनश्याम झुमरलाल टाक, खेजड़ला
श्री मिश्रीलाल जयनारायण कच्छवाहा, चौखा, जोधपुर
अखिल भारतीय माली (सैनी) सेवा सदन, पुष्कर
श्री सुगनाराम पुत्र श्री बुधाराम भाटी, पीपाड़ शहर
श्री पारसराम पुत्र श्री जयसिंह सोलंकी, जोधपुर
श्री रूपचंद पुत्र श्री भंवरलाल मरोठिया, पुष्कर
श्री धनाराम पुत्र श्री जुगाराम गहलोत,सालावास, जोधपुर
श्री कृपाराम पुत्र श्री आईदान सिंह परिहार, चौखा,जोधपुर
सरपंच श्री रामकिशोर पुत्र श्री हप्पाराम टाक, बालरवां
श्रीमती अंजू(पं.समिति सदस्य), सुपुत्री श्री ढ़लारामगहलोत, चौपासनी चारणान
श्री केवलराम पुत्र श्री शिवराम गहलोत, चौपासनी चारणान
श्री रामेश्वर पुत्र श्री सवाई राम परिहार, मथानियां
सरपंच श्रीमती मिनाक्षी पत्नी श्री चद्रसिंह देवड़ा, मथानियां
सरपंच श्रीमती गुड्डी पत्नी श्री खेताराम परिहार, तिंवरी
श्री अचलसिंह पुत्र श्री रूपाराम गहलोत, तिंवरी
श्रीमती रेखा(उप प्रधान) पत्नी श्री संजय परिहार, मथानियां
श्री चैनाराम पुत्र श्री माणकराम देवड़ा, मथानियां
श्री अरविंद पुत्र श्री भंवरलाल सांखला, मथानियां
श्री उम्मेद सिंह टाक पुत्र स्व. सेठ श्री कनीराम टाक, जोधपुर
श्री गिरधारीराम पुत्र श्री राजुराम कच्छवाहा, खींवसर
श्री देवेन्द्र सिंह पुत्र श्री सुरेन्द्र सिंह गहलोत
श्री मदनलाल (ग्राम सेवक) पुत्र श्री सोमाराम गहलोत, मथानियां
श्री लिखमाराम सांखला पुत्र श्री छोटुराम सांखला, रामपुरा भाटियान, तिंवरी
सरपंच श्रीमती संजू पत्नी श्री हुकमाराम सांखला, रामपुरा भाटियान, तिंवरी

हार्दिक बधाई

उदयपुरवाटी सैनी समाज संस्था के रमेश सैनी दोबारा अध्यक्ष बने

उदयपुरवाटी। सैनी समाज संस्था उदयपुर वाटी की बैठक मंगलवार रात सैनी मंदिर में हुई जिसमें अध्यक्ष का कार्यकाल 2 साल का पूरा होने पर रमेश सैनी को सर्वसम्मति से दोबारा अध्यक्ष चुना गया। जानकारी के अनुसार सैनी समाज संस्था की बैठक में अध्यक्ष के चुनाव को लेकर चर्चा शुरू हुई वर्तमान अध्यक्ष के 2 साल के कार्यकाल को देखते हुए आगामी 2 साल के लिए दोबारा रमेश सैनी को अध्यक्ष बनाना तय किया गया मौजूद लोगों ने सर्वसम्मति से ताली बजा कर प्रस्ताव का स्वागत किया।

इस मौके पर भाजपा नेता यतेन्द्र सैनी, पार्षद विशवेश्वर लाल सैनी, केशर सैनी, मोहनलाल सैनी, सुशील सैनी, अजय तसीड, नितेश सैनी, चौथमल सैनी, अरविंद, लक्ष्मण राम सैनी, कैलाश सैनी, राकेश जमालपुरिया, महेंद्र सैनी, साधुराम सैनी, छोटूराम, रामधन कटारिया, श्याम लाल सैनी, योगेंद्र सैनी नांगल, पवन मिटावा, प्रहलाद राम सैनी, मजराला, मंगलचंद सैनी, विजय बागड़ी, राकेश सैनी, नरेंद्र सैनी, सुनील सैनी, शिवकरन सैनी, रामचंद्र सैनी, गोपाल सैनी आदि मौजूद थे।

जोधपुर निवासी युवा **आशीष गहलोत** ने नीट परीक्षा में 695/720 अंक प्राप्त कर ऑल इंडिया में 165 जनरल रेंक प्राप्त कर समाज का नाम रौशन करने पर हार्दिक बधाई।

लक्षिता गहलोत

समाज की होनहार बेटी लक्षिता गहलोत को गांधी नगर (गुजरात) बीएसएफ में एसिस्टेंट कमाण्डेंट के पद पर प्रथम जॉइनिंग पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

समाज गौरव युवा
धर्मेन्द्र परिहार
के आर.
ए. एस. मेन्स में चयन होने पर हार्दिक बधाई एवम शुभकामनाएं

समाज के युवा रोमन सैनी द्वारा रोजगार के लिए अनुठी मुहिम में भाग ले टॉप कंपनियों में जॉब प्राप्त करें।

श्री श्यामलाल पुत्र श्री मांगीलाल गहलोत, मथानियां त. तिंवरी
श्री खेताराम सोलंकी, लक्ष्मी स्टोन कटिंग, पीपाड़ शहर
श्री गोबरराम पुत्र श्री हरीराम कच्छवाहा, पीपाड़ शहर
श्री शंभु पुत्र श्री मूलचंद गहलोत, अजमेर
श्री रामनिवास पुत्र श्री पुनाराम गहलोत, जोधपुर
श्री धर्माराम सोलंकी, सोलंकी खाद बीज, फलोदी
श्री धनराज पुत्र श्री राणाराम सोलंकी, पीपाड़ शहर
श्री संपतराज पुत्र श्री बाबुलाल सैनी, पीपाड़ शहर
सी. ए. श्री महेश पुत्र श्री आनंदीलाल गहलोत, जोधपुर
श्री हनुमान सिंह गहलोत, हनुमान टेंट हाऊस, जोधपुर
श्री मयंक पुत्र श्री दीनदयाल देवड़ा, जोधपुर
श्री नित्यानंद पुत्र श्री धनसिंह सांखला, जोधपुर
श्री महेश पुत्र श्री अमरसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री धनसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री कैलाश पुत्र श्री श्यामलाल गहलोत, जोधपुर,
श्री भारतसिंह पुत्र श्री लिखमाराम कच्छवाहा, जोधपुर
श्री संदीप पुत्र श्री नृसिंह कच्छवाहा, जोधपुर
श्री धमेन्द्र पुत्र श्री संतोष सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री निर्मल सिंह (एस.ई.)पुत्र श्री भजनसिंह कच्छवाहा, जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह कच्छवाहा(चैयरमेन, पीपाड़) पुत्र श्री पुखराज कच्छवाहा, पीपाड़
श्री अमृतलाल टाक पुत्र श्री चेनाराम टाक, बुंचकला, पीपाड़
श्री चांदरतन पुत्र श्री माणकचंद सांखला, बीकानेर
श्री कमलेश पुत्र श्री मुल्तान सिंह कच्छवाहा, पीपाड़ शहर
श्री सहीराम पुत्र श्री हिन्दुराम गहलोत, पीपाड़ शहर
श्री मनमोहन पुत्र श्री मनोहर सिंह सांखला, जोधपुर
श्रीमती कमला धर्मपत्नी श्री रमेशचंद्र माली, जोधपुर
श्री दशरथ पुत्र श्री विशन सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री राजकुमार पुत्र श्री रतनलाल सोलंकी, जोधपुर
श्री मेवाराम पुत्र स्व. श्री नारायण सोलंकी, जोधपुर
श्री गंगाराम पुत्र श्री हरीराम सोलंकी, जोधपुर
डॉ. हिरालाल पुत्र श्री मादुराम पंवार, जोधपुर
श्री गंगाराम पुत्र श्री किशनलाल सोलंकी, जोधपुर
श्री धरमाराम भाटी, अध्यक्ष क्षत्रिय माली समाज माधपुर (तमिलनाडु)
श्री राहुल भाटी सुपुत्र श्री जितेन्द्रसिंह भाटी, जोधपुर
श्री किसनाराम देवड़ा, श्री जी एन्टरप्राइजेज, जोधपुर
श्री(इंजि.)तेजप्रताप पुत्र श्री मंगलसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री अभय सिंह पुत्र श्री मांगीलाल गहलोत, जोधपुर
श्री विरेन्द्र सिंह पुत्र श्री आनंदसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री सोहनलाल पुत्र श्री नेपाराम देवड़ा, बालरंवा, तिंवरी
श्री अमृत सांखला, फ्यूचर प्लस क्लासेज, जोधपुर
श्री चेतन देवड़ा पुत्र स्व. श्री मानसिंह देवड़ा, जोधपुर
श्री अरविंद गहलोत (पार्षद) पुत्र श्री मांगलाल गहलोत, जोधपुर
सीए श्री अर्जुन पुत्र श्री कांतिलाल परिहार, बाली, पाली
श्री पप्पुराम पुत्र श्री रामचंद्र गहलोत, चौखा, जोधपुर
डॉ. श्री महेन्द्र भाटी 'त्रिकाल', रायपुर, पाली
श्री रोहित पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री रामेश्वर सिंह पुत्र स्व. लाल सिंह सांखला, जोधपुर
श्री जगन्नाथ सिंह पुत्र श्री मेघसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री हुक्माराम भाटी पुत्र श्री सुखदेवराम भाटी, जोधपुर
श्री श्याम लाल पुत्र श्री बुद्वाराम भाटी, पीपाड़ शहर
श्री लक्ष्मीचंद पुत्र श्री रामकिशन माली, करौली
श्री चेतन सिंह पुत्र श्री संतोकसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री लुंबाराम देवड़ा, जगदम्बा पब्लिक स्कूल, जोधपुर
श्री विकास कच्छवाहा पुत्र श्री नरेन्द्रसिंह, जोधपुर
श्री कानाराम सांखला, कानजी स्वीट्स, जोधपुर
श्री कुशाल राम सांखला, रामजी स्वीट्स, जोधपुर
श्री मुकेश टाक पुत्र श्री हरीसिंह टाक, जोधपुर
श्री अरविंद पुत्र श्री आनंदप्रकाश गहलोत, जोधपुर
श्री आनंदसिंह पुत्र श्री जगदीश सिंह सांखला, जोधपुर
श्री जयंत सांखला,आर.एस.एम.विद्याश्रम, जोधपुर
श्री प्रदीप कुमार पुत्र श्री मोहनलाल कच्छावा, अजमेर
श्री ताराचंद पुत्र श्री मोतीलाल सांखला, मथानियां
डॉ. कमल सैनी, सोलन, हिमाचल प्रदेश
श्री ओमप्रकाश सैनी पुत्र श्री गणपत जी लाडंनू
डॉ प्रवीण पुत्र श्री धनसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री राकेश पुत्र श्री छतरसिंह गहलोत, जोधपुर
डॉ. भीमपाल पुत्र श्री बुधाराम गहलोत, जोधपुर
श्री धमेन्द्र कच्छवाहा,भीलवाड़ा
श्री गोविंद पुत्र श्री भगवानसिंह परिहार, जोधपुर
श्री शरद टाक, जोधपुर
श्री मुकेशराज पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री मनोहरलाल पुत्र श्री बाबूलाल गहलोत, जोधपुर
श्री रविन्द्र सिंह परिहार, नागौर मोटर्स, नागौर
श्री अर्जुन सिंह पुत्र श्री कल्याण सिंह कच्छवाह, पीपाड़
श्री कुशाल कच्छवाह, के. के. फिलिंग स्टेशन, जोधपुर
श्री अरविंद पुत्र स्व. श्री पुरूषोत्तम गहलोत, जोधपुर

माली सैनी सन्देश

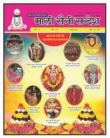

घर बैठे माली सैनी संदेश मंगाने के लिए भर कर भेजें

सदस्यता फार्म

दिनांक ____________

माली सैनी संदेश पत्रिका देश के प्रत्येक राज्य के प्रमुख शहरों के साथ ही ग्रामिण क्षेत्रों में माली सैनी समाज के लोगों की जानकारियों आपको विगत 15 वर्षो से हर माह पहुंचाकर समाज के विभिन्न वर्गो में हो रहे समाज उत्थान एवं शिक्षा तथा अन्य क्षेत्र के विकास कार्यो की जानकारी प्रदान कर रहा है। समय समय पर समाज के विभिन्न आयोजनों की भी विस्तृत जानकारी पत्रिका के प्रकाशन के माध्यम से सभी को उपलब्ध कराई जा रही है। यहीं नहीं देश के बाहर विदेशों में रह रहे समाज बंधुओं को भी समाज की संपूर्ण जानकारी वेब–साईट के माध्यम से भी उपलब्ध कराई जा रही है। समाज की प्रथम ई–पत्रिका होने का गौरव भी आप सभी के सहयोग से हमें ही मिला है।

हमारी वेबसाईट www.malisaini.org में समाज के सभी वर्गो की विस्तृत जानकारियां उपलब्ध है एवं www.malisainisandesh.com में हमारी मासिक ई पत्रिका के वर्तमान एवं पूर्व के अंकों का खजाना आपके लिए हर समय उपलब्ध है। आप हमें पे–टी.एम. से मोबाईल नंबर 9414475464 पर भी सदस्यता शुल्क भेज पत्रिका प्राप्त कर सकते है।

डाक से नियमित रूप से निम्न पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका भेजने के लिए डिमाण्ड ड्राफ्ट/ मनीआर्डर माली सैनी संदेश के नाम से भेज रहा हूं।

सदस्यता राशि

दो वर्ष रू. 600/- | **5 वर्ष रू. 1,500/-** | **आजीवन रू. 3,100/-**

नाम/संस्था का नाम ____________

पता ____________

फोन/मोबाईल ____________ ई-मेल ____________

ग्राम ____________ पोस्ट ____________ तहसील ____________

जिला ____________ पिनकोड ____________

राशि (रूपये) ____________ बैंक का नाम ____________

डिमाण्ड ड्राफ्ट/मनीआर्डर क्रमांक ____________ (डीडी/एमओ माली सैनी संदेश के नाम से भेजें)

अतः मुझे/हमें भी अंग्राकित पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका डाक द्वारा भेजें।

दिनांक ____________

हस्ताक्षर

होटल सिटी पैलेक के पीछे, नई सड़क, जोधपुर - 01 मो. 77379 54550 (रजि. कार्यालय)

Mobile : 94144 75464 Visit us at : www.malisainisandesh.com
www.malisaini.org. E-mail :malisainisandesh@gmail.com; editor@malisaini.org

ही क्यों ?

क्योंकि ?

हमारे पास है सैकड़ों एन. आर. आई. सहित पांच हजार पाठकों का विशाल संसार

क्योंकि ?

हम बताते है सच्चाई तथा सामाजिक गतिविधियों की संपूर्ण जानकारी जो कि समाज में हो रही है।

हमें विज्ञापन दीजिये

क्योंकि
हमारी क्रियेटिव टीम के साथ
यह सजाती है आपके ब्राण्ड को पूरे
देश ही नहीं विदेशों में भी

RATES

Advertisements

COLOR (Full Page)

Back Cover	10,000/-
Inside Cover	5,000/-

द्धह्लह्लश्चक्रष्ठह्रस्ह्लक्र

Full Page	2,500/-
Half Page	1,500/-
Quarter Page	1,000/-

Cell : 94144 75464

log on : www.malisainisandesh.com
e-mail : malisainisandesh@gmail.com
e-mail : editor@malisaini.org

रजि. कार्यालय : होटल सिटी पैलेस के पीछे, नई सड़क, जोधपुर - 01
मो. 77379 54550 (कार्यालय)

www.malisainisandesh.com

समाज का विकास शिक्षा से ही संभव समाज की 151 विभूतियों का हुआ सम्मान

अजमेर। माली (सैनी) संस्थान अजमेर के तत्त्वावधान में रविवार को गुलाबबाड़ी स्थित आनंद पैलेस में आयोजित 7वें समारोह में समाज की 151 प्रतिभाओं का सम्मान किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि नेशनल कमिश्नर स्काउट एवं गाइड निर्मल पंवार रहे तथा अध्यक्षता भामाशाह त्रिलोक चंद इंदौरा ने की। विशिष्ट अतिथियों में आई.ए. एस. चेतन राम देवड़ा, ओमप्रकाश सांखला, कैलाशराज सैनी, विनीता भाटी, अनुभव चंदेल, विजय सैनी आदि शामिल थे।

महात्मा ज्योतिबा फुले व मां सावित्रीबाई फले के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इसके बाद समृद्धि चौहान ने गणेश वंदना की। संस्थान के अध्यक्ष राजेश भाटी ने अतिथियों का स्वागत किया। सचिव मुकेश अजमेरा ने संस्थान का परिचय, आने वाले सामाजिक कार्यों व आय-व्यय का ब्यौरा दिया। इस अवसर पर मख्य अतिथि पंवार ने कहा कि हमें महात्मा ज्योतिबा फुले व मां सावित्रीबाई फुले के पद चिह्नों पर चलकर प्रेरणा लेनी चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हए भामाशाह इंदौरा ने कहा कि समाज का विकास शिक्षा से ही संभव है। विशेषकर उन्होंने बालिका शिक्षा पर जोर दिया।

इनका हुआ सम्मान :

समारोह में 10 वीं में टॉप पर रही कोमल सोलंकी व पीयूष सैनी, विज्ञान वर्ग में ऐश्वर्या पंवार, वाणिज्य में जूही सरसवाल. आर्ट्स में सानिया सैनी, बॉक्सिंग में पलक, शूटिंग में गोल्ड मेडलिस्ट रवीज अजमेरा सहित 10 वीं व 12वीं बोर्ड में 80 प्रतिशत, कॉलिज स्तर पर 75 प्रतिशत सहित खेलकूद व सांस्कृतिक स्तर पर राज्य स्तर पर उत्कृष्ट करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। साथ ही उत्कृष्ट समाजसेवा व गौवंश में फैली लंपी महामारी से बचाव के तहत सेवा कार्य के लिए प्रदीप कच्छावा तथा सामाजिक सेवा कार्यों के लिए हेमराज खारोलिया को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मोहनलाल उवाना, रविशंकर, मनोहर भाटी. महेशवर खूज़ीराम गहलोत, अरुण तुदवाल आदि मौजूद रहे। अंत में संस्था के महासचिव अशोक तंवर ने आभार जताया।मंच संचालन किशोर भाटी, कन्हैयालाल सांखला व विपिन सोलंकी ने किया।

प्रेषण तिथि : 28/29 अगस्त, 2022
समाचार पत्रिका पंजीयन सं. :RAJHIN/2013/60831
मुद्रण तिथि : 28 सितम्बर, 2022
Postal Regd No. Jodhpur/496/2021-23
प्रेषण स्थान : RMS जोधपुर

जोधपुर। उत्कर्ष के 20वें स्थापना दिवस पर फाउंडर डॉ निर्मल गहलोत एवम को फाउंडर श्री तरुण गहलोत की **5 Star** सुविधाओ युक्त आम मरीजों के लिए पूरी यूनिट अति आधुनिक सुविधाओं उपकरणों के साथ जोधपुर के मथुरा दास माथुर अस्पताल को भेंट की गई।

इस राजकीय अस्पताल में 'उत्कर्ष कार्डियोथोरेसिक यूनिट' में उत्कृष्ट द्वारा सम्पन्न कराएं गए कार्य:

1. दो ऑपरेशन थियेटर
2. आई.सी.यू. वार्ड
3. पोस्ट ऑपरेटिव वार्ड
4. सीटी वार्ड
5. वातानुकूलित प्रतीक्षालय
6. मंदिर
7. सुपरविजन के लिए ऑफिस
8. स्टोर व पेंट्री
9. डॉक्टर व नर्सेज के वातानुकूलित ऑफिस
10. पूरे परिसर में सीसीटीवी कैमरा
11. शौचालय इत्यादि

यही नहीं इस यूनिट के रखरखाव हेतु निर्मल गेहलोत ने निर्णय लिया कि

1. जोधपुर रहने पर मैं स्वयं या अनुज तरुण या मेरे पिताजी रोजाना इसी यूनिट में बने मंदिर में पूजा करने आयेंगे।
2. गरीब मरीजों व परिजनों के लिए उत्कर्ष की तरफ दो समय भोजन के टिफिन की व्यवस्था।
3. सुपरवाईजर, स्वच्छताकर्मी व सुरक्षाकर्मियों को नियुक्त करेंगे व उत्कर्ष ही उन्हें वेतन देगा।
4. चद्दरों की धुलाई व अन्य प्रकार की सफाई की व्यवस्था हम स्वयं करेंगे।
5. सीसीटीवी लगवायें हैं जिसमें दो महीने की रिकॉर्डिंग का बैकअप रहेगा।

शिक्षाविद् भामाशाह डॉ निर्मल गहलोत द्वारा एमडीएम अस्पताल यूनिट को तैयार करा लिया गोद

उत्कर्ष क्लासेज के स्थापना दिवस पर अति आधुनिक कार्डियोथेरेसिक यूनिट समर्पित

समाज के ऐसे विरले भामाशाह पूरे देश में आदर्श निस्वार्थ सेवा के प्राय बन गए है।
हम सभी ईश्वर से उत्कर्ष परिवार २०वें स्थापना दिवस पर उत्कर्ष परिवार के उत्तरोत्तर प्रगति के साथ शिक्षा एवं सेवा के क्षेत्र में नित नए आयाम स्थापित करने की मंगल कामनाएं करते हुए हार्दिक आभार प्रकट करते है।

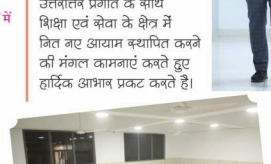

स्वत्वाधिकारी संपादक / मालिक / प्रकाशक / मुद्रक
मनीष गहलोत के लिए भण्डारी ऑफसेट, न्यू पॉवर हाउस
सेक्टर-7, जोधपुर से छपवाकर माली सैनी संदेश कार्यालय
सोजती गेट के अंदर, जोधपुर (राजस्थान) से प्रकाशित
फोन : 9414475464
ई-मेल - malisainisandesh@gmail.com
पत्र व्यवहार के लिए पता
P.O. Box No. 09, JODHPUR